RNI N.- BIHBIL/2022/88070
राष्ट्रीय द्विभाषिक सामाचार पत्र
www. bordernewsmirror.com

बॉर्डर न्यूज मिरर

"खबरों से समझौता नहीं"
पटना, वर्षः 7 , अंकः 121 , रविवार, 14 जून 2026 मूल्यः 5:00, पृष्ठः8
9471060219, 9470050309 www.bordernewsmirror@gmail.com

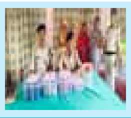
नेपाल बॉर्डर से तस्करी कर लाई गई अफीम-गांजे की खेप पकड़ी गई, चार महिला तस्कर ... 03
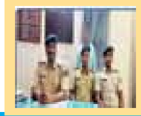
छेड़खानी कांड का वांछित अभियुक्त गिरफ्तार 04
अभिनेत्री नियति फातनानी का खुलासा, खतरों के खिलाड़ी के... 07

संक्षिप्त समाचार

पेपर लीक मुद्दे पर ऐक्टिव हुए राहुल गांधी

बीजेपी के खिलाफ खोलेंगे मोर्चा, पटना में करेंगे स्टूडेंट सम्मेलन

पटना (एजेंसी)। लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष व कांग्रेस के वरिष्ठ नेता राहुल गांधी देशभर में छात्रों और युवाओं से जुड़े मुद्दों को लेकर छात्र सम्मेलन आयोजित करने जा रहे हैं। भारतीय युवा कांग्रेस द्वारा जारी कार्यक्रम के अनुसार 11 जुलाई को पटना में राहुल गांधी छात्रों को संबोधित करेंगे। यह सम्मेलन शिक्षा व्यवस्था में सुधार, विभिन्न प्रतियोगी परीक्षाओं में कथित पेपर लीक और युवाओं के रोजगार संबंधी मुद्दों पर केंद्रित रहेगा। युवा कांग्रेस के अनुसार सम्मेलन के माध्यम से छात्रों की समस्याओं और मांगों को राष्ट्रीय स्तर पर उठाने का प्रयास किया जाएगा। कार्यक्रम में विशेष रूप से नीट सहित अन्य भर्ती एवं प्रवेश परीक्षाओं में हुई अनियमितताओं, पारदर्शी परीक्षा व्यवस्था और युवाओं के लिए रोजगार के अवसर बढ़ाने जैसे विषय प्रमुख रहेंगे। राहुल गांधी का यह अभियान कई शहरों में आयोजित किया जा रहा है। इसकी शुरुआत 17 जून को कोटा से होगी, जबकि 10 जुलाई को इलाहाबाद, 11 जुलाई को पटना और 14 जुलाई को दिल्ली में सम्मेलन प्रस्तावित है। बिहार में होने वाले इस सम्मेलन को लेकर कांग्रेस संगठन और युवा कांग्रेस तैयारियों में जुट गए हैं।

आंधी-तूफान के साथ 'मौसम' की बड़ी मार

राजस्थान में रेलवे स्टेशन का शेड उखड़कर ट्रैक पर गिरा

नई दिल्ली (एजेंसी)। यूपी में प्री-मानसून एक्टिव हो गया है। शनिवार सुबह कानपुर-अयोध्या, उन्नाव समेत 25 शहरों में बारिश हुई। वाराणसी में दोपहर में तूफान आया। इससे होर्डिंग उड़ गई। लखनऊ में तेज आंधी आई, दिन में अंधेरा छा गया। हाथरस में बारिश के चलते कोतवाली सदर में पानी भर गया। सड़कें डूब गईं। राजस्थान में शुक्रवार को बीकानेर, श्रीगंगानगर, हनुमानगढ़, सीकर और चूरू के कई

इलाकों में हवा के साथ बारिश हुई। चूरू के श्रीमकड़ीनाथ रेलवे स्टेशन पर लगा टिनशेड अंधड़ से रेलवे ट्रैक पर गिर गया। इससे ट्रेनें लेट हो गईं। दिल्ली में शनिवार सुबह बारिश के चलते कई फ्लाइट्स लेट हुईं। इंडिगो एयरलाइंस ने एक्स पर पोस्ट करके कहा- खराब मौसम की वजह से उड़ानों के समय पर असर पड़ा है। मानसून की झारखंड और ओडिशा के कुछ हिस्सों में एंट्री हो गई।

30 करोड़ वोटर कार्ड से हटेंगे धुंधले फोटो

चुनाव आयोग का घर-घर अभियान अब अंतिम दौर में पहुंचा

नई दिल्ली (एजेंसी)। निर्वाचन आयोग घर-घर जाकर वोटरों की पहचान करने के अंतिम दौर में पहुंच रहा है। अब बचे हुए 39 करोड़ 73 लाख वोटर्स के दरवाजे पर दस्तक देने की तैयारी है। इस बीच एक निजी अखबार ने पड़ताल की कि स्पेशल इंटेंसिव रिविजन के बाद मतदाता फोटो पहचान कार्ड यानी एपिक में क्या बड़े बदलाव आए हैं। एसआईआर के बाद अब तक तैयार 59 करोड़

मतदाताओं के फोटो न सिर्फ हाल ही के हैं बल्कि रंगीन भी हैं। चुनाव आयोग के 9 लाख 20 हजार से ज्यादा बूथ लेवल अफसरों (बीएलओ) ने मोबाइल से वोटरों के फोटो उनके पहचान पत्र के साथ जोड़कर मतदाता सूची को साफ-सुथरा बनाया है। इसके लिए ईसीआई ने कोई फीस नहीं ली। पहले कार्ड में फोटो नहीं थे, या फिर बहुत धुंधले पहले दौर में बिहार और सेकेंड फेज के 12 राज्यों के वोटर्स की घर-घर जाकर पुष्टि के बाद 59 करोड़ वोटरों के नए पहचान पत्र बने हैं। इनमें सबसे बड़ा बदलाव कार्ड की फोटो का है। पहले के करीब 30 फीसदी वोटर कार्ड में फोटो थे ही नहीं।

लेफ्टिनेंट जनरल धीरज सेठ होंगे अगले सेना प्रमुख

नई दिल्ली (एजेंसी)। केंद्र सरकार ने लेफ्टिनेंट जनरल धीरज सेठ को अगला सेनाध्यक्ष (चीफ ऑफ आर्मी स्टाफ) नियुक्त किया है। जनरल सेठ अभी उप सेना प्रमुख (वाइस चीफ ऑफ आर्मी स्टाफ) के पद पर कार्यरत हैं। वह 30 जून, 2026 से अपना पद संभालेंगे। वे जनरल उपेंद्र द्विवेदी की जगह लेंगे, जिन्होंने जून 2024 में 30वें थल सेना प्रमुख के तौर पर कार्यभार संभाला था।

● जनरल उपेंद्र द्विवेदी की जगह लेंगे, दो महीने पहले उप सेना प्रमुख बने थे

लेफ्टिनेंट जनरल धीरज सेठ भारतीय सेना के सबसे अनुभवी आर्मर्ड कॉर्प्स अधिकारियों में से एक हैं और उन्हें सेवा में लगभग चार दशक का अनुभव है। खड़कवासला स्थित नेशनल डिफेंस एकेडमी से ग्रेजुएशन के बाद, दिसंबर 1986 में उन्हें आर्मर्ड कॉर्प्स में कमीशन मिला था। उन्होंने कई अहम ऑपरेशनल, कमांड और रणनीतिक पदों पर काम किया है।

कई मोर्चों पर संभाल चुके हैं जिम्मेदारी

अपने शानदार करियर के दौरान, लेफ्टिनेंट जनरल सेठ ने आर्मर्ड रेजिमेंट और ब्रिगेड से लेकर जम्मू-कश्मीर में आतंकवाद-रोधी फोर्स तक कई यूनिट्स की कमान संभाली है। उन्होंने सुदर्शन चक्र कॉर्प्स का नेतृत्व भी किया है और साउथ वेस्टर्न व सदर्न कमांड दोनों की कमान संभाली है। रक्षा मंत्रालय की तरफ से जारी बयान के मुताबिक आर्मी कमांडर बनने पर जनरल सेठ ने साउथ वेस्टर्न कमांड और सदर्न कमांड की कमान संभाली। उन्हें दो ऑपरेशनल आर्मी कमांड की कमान संभालने और ढाई साल से ज़्यादा समय तक अहम इलाकों में रणनीतिक देखरेख करने का दुर्लभ सम्मान मिला। उन्होंने कई अहम स्टाफ और रणनीतिक पदों पर काम किया है, जिनका ऑपरेशनल प्लानिंग, फोर्स मैनेजमेंट और क्षमता विकास पर काफी असर पड़ा है।

फोर्स के आधुनिकीकरण में है योगदान

फोर्स के आधुनिकीकरण में अपने योगदान के लिए पहचाने जाने वाले जनरल सेठ ने आर्मी हेडक्वार्टर के रणनीतिक योजना और क्षमता विकास विभागों में अहम पदों पर काम किया है। उन्होंने इसके आधुनिकीकरण की दिशा, क्षमता रोडमैप और लंबे समय के

लिए फोर्स की संरचना से जुड़ी पहलों को आकार दिया है। ऑपरेशनल जरूरतों को नई तकनीकों और भविष्य के युद्धक्षेत्र की जरूरतों के साथ जोड़ने में उनका योगदान बहुत अहम रहा है। एक कुशल सैन्य पेशेवर, लेफ्टिनेंट जनरल धीरज सेठ ने पेशेवर सैन्य शिक्षा में लगातार बेहतरीन प्रदर्शन किया है और ट्रेनिंग कोर्स में टॉप स्थान हासिल किए हैं। उन्होंने हायर कमांड कोर्स और नेशनल डिफेंस कॉलेज से पढ़ाई की है। साथ ही, उन्होंने पेरिस में प्रतिष्ठित कमांड एंड स्टाफ कोर्स भी किया है, जो उनकी व्यापक रणनीतिक सोच और आज के सैन्य मामलों की समझ को दिखाता है।

क्रैश हो गया एयरफोर्स का विमान

● पांच जवान शहीद, कोर्ट ऑफ इंक्वायरी' के आदेश ● लैंडिंग के दौरान विमान में लगी आग, दो हिस्सों में टूटा

गुवाहाटी (एजेंसी)। असम के जोरहाट में वायुसेना के एएन-32 विमान दुर्घटना में पांच वायुसेना के पांच जवान शहीद हुए हैं। वायुसेना का विमान क्रैश होने पर रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह दुख व्यक्त किया है। रक्षा मंत्री ने अपने संदेश में लिखा है कि स्क्वाड्रन लीडर प्रशांत सिंह, फ्लाइट लेफ्टिनेंट शुभम कुमार, सार्जेंट जितेंद्र शर्मा, अग्निवीर वायु खेमाराम कुमावत और अग्निवीर वायु दानिश आलम ने ड्यूटी के दौरान सर्वोच्च बलिदान दिया। देश उनके साहस और सेवा को हमेशा गर्व और कृतज्ञता के साथ याद रखेगा। शोक संतप्त परिवारों के प्रति मेरी गहरी संवेदनाएं। दुख की इस घड़ी में देश मजबूती से उनके साथ खड़ा है। गौरतलब हो कि यह घटना तब हुई जब विमान रोवरिया क्षेत्र स्थित वायुसेना स्टेशन में उतर रहा था।भारतीय वायुसेना के एएन-32 विमान के असम के जोरहाट जिले में उतरते समय शनिवार को दुर्घटनाग्रस्त होने के कारणों का पता लगाने के लिए 'कोर्ट ऑफ इंक्वायरी' के आदेश दिए गए हैं। वायुसेना ने सोशल मीडिया मंच 'एक्स' पर एक 'पोस्ट' में कहा है कि आईएएफ का एक एएन-32 विमान जोरहाट में क्रैश हो गया है।

सुबह 10 बजे हुआ था हादसा- शनिवार सुबह लगभग 10.00 बजे असम के जोरहाट में एक नियमित उड़ान के दौरान एएन-32 विमान का एक्सीडेंट हो गया। प्रारंभिक रिपोर्ट में यह कहा गया है कि विमान में लैंडिंग के दौरान आग लगी है। इसके बाद वह दो हिस्सों में टूट गया। क्रैश की सूचना पहुंची दमकल ने तुरंत आग बुझाई लेकिन वायुसेना ने अपने पांच जांबाज सैनिक खो दिए। इस विमान का भारत में लंबा इतिहास रहा है, लेकिन 1986 से अब तक इस श्रेणी के विमानों के साथ 20 से अधिक दुर्घटनाएं दर्ज की जा चुकी हैं। विशेषज्ञों के अनुसार हादसे के समय दृश्यता लगभग 200 मीटर साफ थी, इसलिए केवल मौसम को जिम्मेदार नहीं ठहराया जा सकता। जांच टीम तकनीकी खराबी या रखरखाव से जुड़े पहलुओं की जांच कर रही है। यह दुर्घटना 13 जून 2026 को सुबह लगभग 10.00 बजे असम के जोरहाट एयरफोर्स स्टेशन (रोवरिया हवाई अड्डा) के परिसर के भीतर हुई।

बेटी तो बेटी होती है...

अखिलेश यादव की बेटी के अपमान पर भड़के योगी

● एफआईआर के दिए आदेश, सपा प्रमुख को भी नसीहत दी

लखनऊ (एजेंसी)। उत्तर प्रदेश के पूर्व मुख्यमंत्री और समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष अखिलेश यादव की बेटी के खिलाफ अपमानजनक टिप्पणी को लेकर प्रदेश में माहौल गर्म है। समाजवादी पार्टी कार्यकर्ताओं ने इस मुद्दे को लेकर शुक्रवार को प्रदेश के अलग-अलग जिलों में प्रदर्शन कर अपने गुस्से का इजहार किया। सपा प्रमुख की बेटी के खिलाफ की गई टिप्पणी पर सपा ही नहीं भाजपा और अन्य राजनीतिक दलों के नेता-कार्यकर्ता भी मुखर विरोध जता रहे हैं। वहीं शनिवार को अखिलेश यादव के निर्वाचन क्षेत्र आजमगढ़ पहुंचे सीएम योगी आदित्यनाथ ने भी पहली बार सार्वजनिक रूप से इसे लेकर अपना गुस्सा जाहिर किया। सीएम योगी ने कहा कि बेटी के खिलाफ अपमानजनक टिप्पणी कतई स्वीकार्य नहीं है। इसके साथ ही सीएम ने सपा प्रमुख को नसीहत भी दी।

डीआरडीओ का महा-धमाका!

● 24 घंटे में 3 सफल मिसाइल टेस्ट

अभेद्य हुआ भारत का सुरक्षा कवच

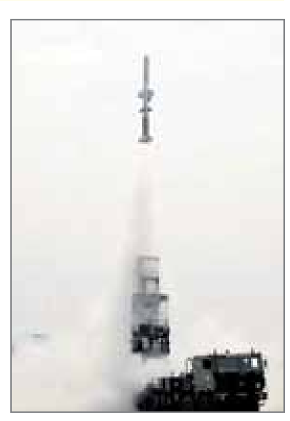

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारतीय रक्षा अनुसंधान और विकास संगठन (डीआरडीओ) ने रक्षा क्षेत्र में एक बहुत बड़ा मील का पत्थर हासिल किया है। भारत अब दुनिया के उन चुनिंदा देशों के 'एलीट क्लब' में शामिल हो गया है, जिनके पास लंबी दूरी के बैलिस्टिक मिसाइल हमलों से बचाव करने की अचूक क्षमता है। भारत ने 10 और 11 जून को लगातार तीन मिसाइलों के सफल उड़ान परीक्षण किए, जिनमें बैलिस्टिक मिसाइल डिफेंस (बीएमडी) के साथ-साथ एंटी-शिप मिसाइल टेक्नोलॉजी भी शामिल है। **पाकिस्तान की नई मिसाइलों का मुंहतोड़ जवाब-** सूत्रों ने बताया कि डीआरडीओ ने बैलिस्टिक मिसाइल डिफेंस को इतनी उच्च प्राथमिकता इसलिए दी है, क्योंकि पड़ोसी देश पाकिस्तान मल्टीपल वॉरहेड वाली लंबी दूरी की बैलिस्टिक मिसाइलें विकसित कर रहा है। इसमें फतेह-1 , फतेह-2 और चीन मूल की सी 282 मिसाइलें शामिल हैं।

आधी रात टूटा दरवाजा, अब पार्टी पर संकट!

कोलकाता (एजेंसी)। बंगाल विधानसभा चुनावों में करारी हार के बाद जब सड़कों पर तृणमूल कांग्रेस (टीएमसी) के राष्ट्रीय महासचिव अभिषेक बनर्जी के खिलाफ चोर-चोर के नारे गूंजे थे, तभी यह स्पष्ट हो गया था कि पार्टी और उसके नेतृत्व के लिए आने वाला समय बेहद चुनौतीपूर्ण होने वाला है। कभी पश्चिम बंगाल की राजनीति में अजेय मानी जाने वाली टीएमसी आज अपने सबसे बड़े अंदरूनी और बाहरी संकट से गुजर रही है। इस पूरे सियासी और कानूनी तूफान के केंद्र में हैं- अभिषेक बनर्जी। शनिवार, 13 जून 2026 की अलसुबह, कोलकाता का हाई-प्रोफाइल कालीघाट इलाका अचानक पुलिस और केंद्रीय बलों की भारी तैनाती से छावनी में तब्दील हो गया। रात करीब 3 बजे पश्चिम मेदिनीपुर जिले के सालबनी थाने और कोलकाता पुलिस की संयुक्त टीम अभिषेक बनर्जी के आवास पर पहुंची। जब अंदर से कोई जवाब नहीं मिला, तो पुलिस ने कथित तौर पर ताला तोड़कर घर में प्रवेश किया और करीब चार-पांच घंटे तक सघन तलाशी ली। यह पूरा घटनाक्रम पश्चिम मेदिनीपुर में दर्ज एक मामले से है।

अभिषेक बनर्जी के खिलाफ सबसे बड़ी बगावत

● **'साइनगेट' का साया-** कालीघाट आवास पर हुई यह छापेमारी कोई अकेली घटना नहीं है। ठीक दो दिन पहले ही पश्चिम बंगाल अपराध अन्वेषण विभाग ने राज्य विधानसभा से जुड़े बहुचर्चित जाली हस्ताक्षर मामले (जिसे साइनगेट कहा जा रहा है) में अभिषेक बनर्जी से लंबी पूछताछ की थी। यह मामला एक ऐसे समय में सामने आया है जब अभिषेक को कई जांच एजेंसियों द्वारा लगातार नए समन भेजे जा रहे हैं।

दो महिला अफसरों के विवाद में फंसा सुप्रीम कोर्ट

● रिटायर्ड जज से कहा-आईएएस रोहिणी और आईपीएस रूपा में कराएं सुलह ● कहा-आपसी लड़ाई में अपना करियर बर्बाद कर रही हैं दोनों महिला अफसर

नई दिल्ली (एजेंसी)। सुप्रीम कोर्ट ने रिटायर्ड जज जस्टिस कुरियन जोसेफ से आग्रह किया है कि वे आईएएस अफसर रोहिणी सिंदुरी और आईपीएस रूपा मुदगिल के बीच चल रहे लंबे कानूनी विवाद में बीच-बचाव करें और इसका कोई स्थायी समाधान निकालें। जस्टिस जोसेफ के सामने ये दोनों महिला अधिकारी जुलाई में पेश होंगी।

कर्नाटक कैडर की महिला अफसरों का विवाद- आईएएस रोहिणी सिंदुरी और आईपीएस रूपा मुदगिल दोनों ही कर्नाटक कैडर की ऑल इंडिया सर्विसेज की अधिकारी हैं और पिछले तीन वर्षों से एक-दूसरे के खिलाफ मानहानि का मुकदमा लड़ रही हैं। दोनों के बीच इस झगड़े की शुरुआत 2023 में

एक सार्वजनिक बहस से शुरू हुई थी। शुक्रवार को सुप्रीम कोर्ट के रिटायर्ड जज जोसेफ कुरियन से मध्यस्थता का आग्रह जस्टिस सतीश चंद्र शर्मा और जस्टिस संजीव सचदेवा की बेंच ने की है। सुप्रीम कोर्ट की बेंच ने दोनों वरिष्ठ महिला अधिकारियों के बीच चल रही कानूनी लड़ाई को लेकर कहा कि ये अपना ही कैरियर बर्बाद कर रही हैं। बेंच ने दोनों अफसरों के वकीलों से कहा कि इनके बीच झगड़े का समाधान मध्यस्थता के माध्यम से निकालने की संभावना तलाशें। दोनों ही अधिकारियों के वकीलों ने अदालत के इस सुझाव को स्वीकार कर लिया।

जुलाई में जस्टिस कुरियन जोसेफ करेंगे सुनवाई

सुप्रीम कोर्ट ने दोनों अफसरों से जुलाई में जस्टिस (रिटायर्ड) जोसेफ के सामने पेश होने का निर्देश दिया है। सुप्रीम कोर्ट ने ट्रायल कोर्ट में दोनों की ओर से एक-दूसरे के खिलाफ चल रहे मानहानि के मुकदमों की कार्यवाही पर भी रोक लगा दी है।

आईएएस रोहिणी, आईपीएस रूपा के बीच है विवाद

बात 2023 के फरवरी की है। आईपीएस रूपा मुदगिल ने सोशल मीडिया पर आईएएस रोहिणी सिंदुरी के खिलाफ कई सारे पोस्ट डाले थे। इसमें उनके खिलाफ आय से अधिक संपत्ति जैसे आरोप भी लगाए गए थे। रोहिणी ऐसी टिप्पणियां करने को लेकर उनके खिलाफ कोर्ट पहुंच गईं और उन्हें इसमें सफलता भी मिली और उन्हें इस तरह के पोस्ट करने से रोक दिया गया। आईपीएस रूपा इसे चुनौती देते हुए कर्नाटक हाई कोर्ट पहुंचीं, लेकिन उनकी याचिका खारिज कर दी गई। फिर सुप्रीम कोर्ट में अपील किया गया और सर्वोच्च अदालत ने दोनों अफसरों को आपसी मतभेद सुलझाने को कहा। शुक्रवार को इसीलिए सुप्रीम कोर्ट ने जस्टिस कुरियन जोसेफ को इस मामले में मध्यस्थ नियुक्त किया है।

संक्षिप्त समाचार

8 बच्चे किए गए रेस्क्यू, तीसरे दिन भी कार्रवाई, बाल श्रम अधिनियम के उल्लंघन पर लगेगा जुर्माना

हाजीपुर। वैशाली में बाल श्रम के खिलाफ चलाए जा रहे अभियान के तीसरे दिन शुक्रवार को धावा दल ने हाजीपुर के औद्योगिक और नगर थाना क्षेत्रों से कुल 8 बच्चों को रेस्क्यू किया। यह कार्रवाई जिला पदाधिकारी वर्षा सिंह के निर्देश पर की गई। यह रेस्क्यू ऑपरेशन एंटी ह्यूमन ट्रैफिकिंग सेल वैशाली और स्वर्गीय कन्हाई शुक्ला सामाजिक सेवा संस्थान के तत्वावधान में चलाया गया। अभियान का उद्देश्य बिहार को बाल श्रम मुक्त राज्य बनाना है। रेस्क्यू किए गए सभी बच्चों को बाल कल्याण समिति के समक्ष प्रस्तुत किया गया। इसके साथ ही, बच्चों को काम पर रखने वाले नियोक्ताओं के खिलाफ एफआईआर दर्ज करने की प्रक्रिया शुरू कर दी गई है। जस्ट राइट्स फॉर चिल्ड्रन के डायरेक्टर सह सचिव डॉ. सुधीर कुमार शुक्ला ने बताया कि 12 जून को विश्व बाल श्रम निषेध दिवस के अवसर पर यह विशेष अभियान चलाया जा रहा है। जिला पदाधिकारी वर्षा सिंह और आरक्षी अधीक्षक विक्रम सिहाग के निर्देश पर यह व्यापक अभियान जारी है। डॉ. शुक्ला ने बताया कि बाल श्रम अधिनियम के तहत बच्चों से काम कराना कानूनी अपराध है। इसके उल्लंघन पर नियोक्ता को 20,000 से 50,000 रुपए तक का जुर्माना और दो साल तक की कैद का प्रावधान है। विमुक्त कराए गए बच्चों को श्रम संसाधन विभाग द्वारा 3,000 रुपये की राशि भी उपलब्ध कराई जाती है। इस रेस्क्यू ऑपरेशन में औद्योगिक और नगर थाने की पुलिस बल, बचपन बचाओ आंदोलन की अनुपम कुमारी, एंटी ह्यूमन ट्रैफिकिंग सेल के इंस्पेक्टर याकूब अली, तथा जस्ट राइट्स फॉर चिल्ड्रन के प्रतिनिधि नीलू कुमारी, राजीव कुमार और गुड्डू कुमार शामिल थे।

पिस्टल के साथ शराब तस्कर गिरफ्तार, घर को बना रखा था शराब का गोदाम, कार से करता था डिलीवरी

मुजफ्फरपुर। मुजफ्फरपुर में पुलिस ने हाथियार के साथ एक शराब तस्कर को गिरफ्तार किया है। आरोपी अपने घर को ही शराब का स्टोर प्वाइंट बनाकर अवैध विदेशी शराब की सप्लाई कर रहा था। छापेमारी के दौरान पुलिस ने उसके पास से एक अवैध पिस्टल, दो मैगजीन, 12 कारतूस और भारी मात्रा में विदेशी शराब बरामद की गई है। पुलिस को आशंका है कि आरोपी हथियार के बल पर शराब के अवैध कारोबार को संचालित कर रहा था। यह कार्रवाई अहियापुर थाना क्षेत्र के गरहा ओपी अंतर्गत पटियासा गांव में की गई। गिरफ्तार आरोपी की पहचान मो. सैफ अली के रूप में हुई है। पुलिस ने उसके खिलाफ मामला दर्ज कर आगे की कार्रवाई शुरू कर दी है। 12 जून की रात पुलिस को गुप्त सूचना मिली थी कि गरहा ओपी क्षेत्र में एक व्यक्ति अपने घर से अवैध शराब की बिक्री और सप्लाई का धंधा चला रहा है। सूचना को गंभीरता से लेते हुए नगर क्षेत्र-2 की एसडीपीओ विनीता सिन्हा के नेतृत्व में विशेष टीम का गठन किया गया। टीम ने त्वरित कार्रवाई करते हुए पटियासा गांव में छापेमारी की। घेराबंदी कर आरोपी को उसके घर से गिरफ्तार कर लिया गया। तलाशी के दौरान घर से भारी मात्रा में विदेशी शराब के साथ अवैध हथियार और कारतूस बरामद किए गए। पुलिस जांच में सामने आया है कि आरोपी घर में शराब का स्टॉक रखकर विभिन्न इलाकों में उसकी सप्लाई करता था। बरामद पिस्टल और कारतूस को देखते हुए पुलिस यह भी जांच कर रही है कि कहीं शराब कारोबार को सुरक्षित रखने और विरोधियों पर दबाव बनाने के लिए हथियार का इस्तेमाल तो नहीं किया जाता था। छापेमारी के दौरान पुलिस ने 79.2 लीटर विदेशी शराब, एक पिस्टल, दो मैगजीन, 12 जिंदा कारतूस और एक चारपहिया गाड़ी जब्त की है।

नेटवर्क में शामिल अन्य लोगों की तलाशः सिटी एसपी मोहिबुल्लाह अंसारी ने बताया कि गुप्त सूचना के आधार पर की गई कार्रवाई में एक शराब तस्कर को गिरफ्तार किया गया है। उसके पास से अवैध हथियार, कारतूस और विदेशी शराब की बड़ी खेप बरामद हुई है। प्रारंभिक जांच में पता चला है कि आरोपी अपने घर से शराब की सप्लाई करता था। उन्होंने बताया कि इस अवैध कारोबार में और कौन-कौन लोग शामिल हैं, इसकी जानकारी जुटाई जा रही है। गिरफ्तार आरोपी के आपराधिक इतिहास का भी सत्यापन कराया जा रहा है। पुलिस पूरे नेटवर्क को खंगालने में जुटी हुई है। पुलिस ने इस मामले में गरहा ओपी (अहियापुर) थाना कांड संख्या 1041/26 दर्ज कर आगे की कार्रवाई शुरू कर दी है।

मकान में चल रहा था सेक्स रैकेट, आपत्तिजनक स्थिति में पकड़ाए 2 लोग अरेस्ट, आठ लड़कियों का हुआ रेस्क्यू

मुजफ्फरपुर। मुजफ्फरपुर में पुलिस ने एक सेक्स रैकेट का भंडाफोड़ किया है। सरैया थाना क्षेत्र के रतवारा चंदन गांव स्थित एक लाइन होटल के पास मकान में छापेमारी हुई। इसमें आठ युवतियों को सुरक्षित बचाया गया है, जबकि आपत्तिजनक स्थिति में पाए गए दो लोगों को गिरफ्तार किया गया है। एसएसपी कांतेश कुमार मिश्रा को लंबे समय से क्षेत्र में अवैध देह व्यापार संचालित होने की गुप्त सूचनाएं मिल रही थीं। इन सूचनाओं को गंभीरता से लेते हुए, एसएसपी के निर्देश पर सरैया के अनुमंडल पुलिस पदाधिकारी (एसडीपीओ) अभिजीत कौर और सरैया थाना अध्यक्ष के संयुक्त नेतृत्व में एक विशेष पुलिस टीम का गठन किया गया। पुलिस टीम ने पूरी तैयारी के साथ चिन्हित ठिकाने की घेराबंदी की और अचानक छापेमारी कर दी। पुलिस की इस कार्रवाई से वहां मौजूद लोगों को भागने का मौका नहीं मिला। जब टीम ने मकान के कमरों की तलाशी ली, तो एक बंद कमरे में दो युवक और युवतियां आपत्तिजनक स्थिति में पाए गए। पुलिस ने मौके पर ही दोनों पुरुष बदमाश को गिरफ्तार कर लिया। हालांकि, रैकेट का मुख्य संचालक और परिसर का मालिक पुलिस की भनक लगते ही फरार होने में सफल रहा। पुलिस ने कमरों की सघन तलाशी के दौरान भारी मात्रा में आपत्तिजनक सामग्री, कई मोबाइल फोन और कैश रुपये बरामद किए हैं। बरामद मोबाइल फोन के कॉल डिटेल्स खंगाले जा रहे हैं, ताकि रैकेट के मुख्य सरगना तक पहुंचा जा सके। एसडीपीओ अभिजीत कौर ने बताया कि पुलिस को रतवारा चंदन गांव में अनैतिक देह व्यापार चलाए जाने की सटीक जानकारी मिली थी। छापेमारी के दौरान कुल 8 महिलाओं और युवतियों को रेस्क्यू किया गया है, जिन्हें सुरक्षित अभिरक्षा में रखकर आगे की काउंसिलिंग और कानूनी प्रक्रिया पूरी की जा रही है। उन्होंने बताया कि गिरफ्तार दोनों आरोपी से पूछताछ की जा रही है कि वे इस धंधे में कब से संलिप्त थे और उनके तार कहां-कहां जुड़े हैं। एसडीपीओ ने साफ कहा कि परिसर का मालिक फरार है, जिसकी गिरफ्तारी के लिए पुलिस की टीमें लगातार संभावित ठिकानों पर छापेमारी कर रही हैं। पुलिस ने मकान को भी सील करने की प्रक्रिया शुरू कर दी है। स्थानीय लोगों के अनुसार, इस जगह पर काफी समय से संदिग्ध गतिविधियों की शिकायतें आ रही थीं, लेकिन पुख्ता सबूत न होने के कारण कार्रवाई नहीं हो पा रही थी। पुलिस की इस बड़ी कार्रवाई के बाद स्थानीय ग्रामीणों ने राहत की सांस ली है। सरैया थाना पुलिस ने मामला दर्ज कर आगे की कानूनी और आगे की कार्रवाई तेज कर दी है।

मुजफ्फरपुर में मोबाइल दुकान से चोरी के 5 बदमाश अरेस्ट

मुजफ्फरपुर। मुजफ्फरपुर पुलिस ने कांटी थाना क्षेत्र के नरसंडा चौक स्थित एक मोबाइल दुकान में हुई चोरी का खुलासा किया है। इस मामले में पांच आरोपियों को गिरफ्तार किया गया है। पुलिस ने उनके पास से चोरी का सामान भी बरामद किया है। यह चोरी 24 मई 2026 को हुई थी। चोरों ने दुकान से मोबाइल फोन, इनवर्टर, ब्लूटूथ, चार्जर, बैटरी और लगभग 40 हजार रुपये कैश चुरा लिए थे। दुकान संचालक कमल कुमार अंशु के आवेदन पर कांटी थाना में कांड संख्या 321/26 दर्ज किया गया था। घटना की गंभीरता को देखते हुए, वरीय पुलिस अधीक्षक के निर्देश पर एक विशेष टीम का गठन किया गया था। इस टीम का नेतृत्व पुलिस अधीक्षक ग्रामीण के अनुश्रवण और अनुमंडल पुलिस पदाधिकारी पश्चिमी-1 ने किया। टीम ने जांच के आधार पर छापेमारी की। पुलिस को 11 जून को मिली जानकारी के आधार पर रक्सौल में कार्रवाई की गई। इस दौरान मन्टु कुमार, भोला कुमार, अर्जुन कुमार, विशाल कुमार और एहतराम आलम को गिरफ्तार किया गया। सभी आरोपी पूर्वी चंपारण जिले के अलग-अलग थाना क्षेत्रों के निवासी है। गिरफ्तार आरोपियों के पास से 23 कीपैड मोबाइल, 14 ओटीजी, 5 ब्लूटूथ, 3 कटर, 8 चाकू, एक इंची टेप और एक प्लास बरामद किया गया है। पुलिस ने बताया कि मामले में आगे की कार्रवाई जारी है और आरोपियों के अन्य आपराधिक इतिहास की भी जांच की जा रही है।

बिहार में प्रेशर-मल्टी-ट्यून्ड हॉर्न लगाने पर होगी कार्रवाई

वाहन मालिकों के साथ विक्रेताओं पर भी सख्ती, सभी जिलों में विशेष जांच अभियान चलेगा

एजेंसी, पटना

बिहार में ध्वनि प्रदूषण-सड़क सुरक्षा को लेकर परिवहन विभाग ने बड़ा कदम उठाया है। राज्य सरकार ने वाहनों में प्रेशर हॉर्न और मल्टी-ट्यून्ड हॉर्न के खिलाफ राज्यव्यापी विशेष जांच अभियान चलाने का फैसला किया है। अभियान के तहत न केवल प्रेशर हॉर्न का इस्तेमाल करने वाले वाहन मालिकों पर कार्रवाई होगी, बल्कि इनकी बिक्री करने वाले दुकानदारों और प्रतिष्ठानों पर भी सख्ती होगी। इसको लेकर परिवहन सचिव राज कुमार ने सभी जिलों में विशेष जांच अभियान चलाने का निर्देश जारी किया है।

क्या है प्रेशर हॉर्न और मल्टी-ट्यून्ड हॉर्न?: प्रेशर हॉर्न और मल्टी-ट्यून्ड हॉर्न सामान्य हॉर्न की तुलना में काफी तेज आवाज करते हैं। इनसे निकलने वाली ध्वनि निर्धारित मानकों से अधिक होती है, जिससे ध्वनि प्रदूषण बढ़ता है और आम लोगों को परेशानी का सामना करना पड़ता है। यही कारण है कि मोटर वाहन नियमों के तहत इनका उपयोग प्रतिबंधित है।

परिवहन विभाग ने स्पष्ट किया है कि मानक स्तर से अधिक ध्वनि उत्पन्न करने वाले प्रेशर हॉर्न और मल्टी-ट्यून्ड हॉर्न का उपयोग मोटर वाहन अधिनियम, 1988 की धारा 190(2) के तहत दंडनीय अपराध है। विशेष जांच अभियान के दौरान यदि किसी वाहन में ऐसे हॉर्न पाए जाते हैं तो संबंधित वाहन चालक और मालिक के खिलाफ कानूनी कार्रवाई की जाएगी।

विभाग ने सभी जिलों को निर्देश दिया है कि सामान्य वाहनों के साथ-साथ स्कूली वाहनों की भी सघन जांच की जाए। जांच के दौरान यदि किसी स्कूल बस या अन्य वाहन में प्रेशर हॉर्न या अत्यधिक तीव्र ध्वनि वाला मल्टी-ट्यून्ड हॉर्न पाया जाता है तो उसके खिलाफ भी कार्रवाई की जाएगी।

राज्य परिवहन आयुक्त आरिफ अहसन ने सभी जिला परिवहन पदाधिकारियों को इस विशेष अभियान को प्रभावी ढंग से चलाने का निर्देश दिया है। इसके तहत नियमित जांच अभियान चलाकर नियमों का उल्लंघन करने वाले वाहनों की पहचान की जाएगी। परिवहन विभाग केवल वाहनों तक ही सीमित नहीं रहेगा। विभाग ने सभी जिलों को निर्देश दिया है कि प्रेशर हॉर्न और मल्टी-ट्यून्ड हॉर्न बेचने वाले प्रतिष्ठानों पर धावा दल के माध्यम से छापेमारी की जाए। छापेमारी के दौरान ऐसे हॉर्न जब्त किए जाएंगे और संबंधित दुकानदारों के खिलाफ नियमानुसार कार्रवाई की जाएगी। इससे अवैध हॉर्न की बिक्री पर रोक लगाने में मदद मिलेगी। परिवहन विभाग ने सभी नगर आयुक्तों को भी पत्र भेजा है। पत्र में निर्देश दिया गया है कि नगर निगम के वाहनों में यदि कहीं प्रेशर हॉर्न लगाए गए हैं तो उन्हें तत्काल हटाया जाए, ताकि सरकारी वाहन भी नियमों का पालन कर सकें।

पटना-सासाराम में बारिश, बक्सर-औरंगाबाद-जहानाबाद में आंधी

◆ 20 जिलों में अलर्ट, अगले 72 घंटे में पूरे राज्य में पहुंचेगा मानसून, 10 जिलों में हेवी रेन की चेतावनी

एजेंसी, पटना

बिहार में दक्षिण-पश्चिम मानसून ने रफ्तार पकड़ ली है। मानसून राज्य के 19 जिलों में तरह एक्टिव है। इस बीच पटना और सासाराम में बारिश शुरू हो गई है। बक्सर, औरंगाबाद और जहानाबाद में तेज आंधी चली। यहां काले बादल छाए हैं। मौसम विभाग ने आज पूरे प्रदेश में बारिश का अलर्ट जारी किया है। इनमें 20 जिलों में ऑरेंज और 18 में यलो अलर्ट है। इन जिलों में 60kmph की रफ्तार से हवा चल सकती है।

मौसम विभाग के अनुसार, अगले 72 घंटों में पूरे बिहार मानसून पहुंचेगा। फिलहाल, मानसून उत्तरी सीमा मुजफ्फरपुर से होकर गुजर रही है। अगले 24 घंटे में प्रदेश के 10 जिलों में भारी बारिश की संभावना है। पिछले 24 घंटे में खगड़िया, सुपौल समेत कुछ जिलों में बादल छाए रहे। 39.9 डिग्री के साथ कैमूर सबसे गर्म जिला रहा। पटना का तापमान 35.6 डिग्री रहा। हालांकि, रात में ठंडी हवा से गर्मी से राहत मिली।

21 जिलों में मानसून सक्रियः मौसम विभाग के अनुसार, 12 जून को मानसून ने राज्य के कई नए क्षेत्रों में दस्तक दी है। फिलहाल 21 जिलों में मानसून पूरी तरह सक्रिय हो चुका है, जबकि पांच अन्य जिलों के कुछ हिस्सों में इसकी एंट्री हो गई है। अगले दो से तीन दिनों में बिहार के शेष हिस्सों में मानसून पहुंच सकता है।

दानापुर में विवाहिता की मौत, दहेज हत्या का आरोप

एजेंसी, पटना

पटना के दानापुर थाना क्षेत्र के आरके पुरम स्थित एक अपार्टमेंट में किराये पर रहने वाली 27 वर्षीय विवाहिता रूबी सिंह की इलाज के दौरान मौत हो गई। पिछले चार दिनों से अस्पताल में भर्ती रूबी ने शनिवार को दम तोड़ दिया। घटना के बाद मृतका के मायके पक्ष ने ससुराल वालों पर दहेज प्रताड़ना और हत्या की कोशिश का गंभीर आरोप लगाया है। मृतका की पहचान सीतामढ़ी जिले के बासबट्टी निवासी शशि शेखर सिंह उर्फ मुन्ना सिंह की पत्नी रूबी सिंह के रूप में हुई है। पुलिस ने पोस्टमार्टम के बाद शव परिजनों को सौंप दिया है।

पिता ने पति, सास-ससुर और ननद पर लगाया आरोपः मृतका के पिता राजेश सिंह ने दानापुर थाने में लिखित शिकायत देकर रूबी के पति, सास कौशल्या देवी, ससुर नवल किशोर सिंह और ननद सोनम कुमारी के खिलाफ कार्रवाई की मांग की है। परिजनों का आरोप है कि शादी के बाद से ही रूबी को दहेज के लिए लगातार प्रताड़ित किया जा रहा था। रूबी की शादी 4 मई 2022 को हुई थी और उसका ढाई साल का एक बेटा भी है। परिजनों के अनुसार, पहले भी विवाद के बाद रूबी को मायके लाया गया था।

बाद में 5 जून 2026 को ससुराल पक्ष ने सामाजिक कार्यक्रम का हवाला देकर उसे वापस साथ ले जाने का आग्रह किया और उसे अपने साथ ले गए। आरोप है कि 9 जून को दामाद ने फोन कर बताया कि रूबी की तबीयत खराब है और उसे सगुना मोड़ स्थित एक निजी अस्पताल में भर्ती कराया गया है।

कांग्रेस ने केंद्रीय शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान का निकाला जनाजा, राजेश राम ने दिया कंधा

एजेंसी, पटना

NEET परीक्षा में हुई धांधली और पेपर लीक को लेकर को पटना में शनिवार को कांग्रेस ने प्रदर्शन किया। प्रदर्शन के दौरान कांग्रेसियों ने केंद्रीय शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान के पुतले का जनाजा निकाला। इस दौरान पार्टी प्रदेश अध्यक्ष राजेश राम जनाजे को कंधा देते नजर आए। सदाकत आश्रम से शव यात्रा निकाली गई है।

गोसाई टोला मोड़ के पास करेंगे पुतला दहनः नीट परीक्षा में हुई व्यापक अनियमितताओं, धांधली और युवाओं के भविष्य के साथ किए जा रहे खिलवाड़ के खिलाफ कांग्रेस आज प्रदर्शन कर रही है। बिहार प्रदेश कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष राजेश राम के नेतृत्व में कांग्रेसियों द्वारा गोसाई टोला मोड़ के पास केंद्रीय शिक्षा मंत्री का पुतला दहन किया जाएगा।

पेपर लीक के कारण रद्द हुई NEET-UG परीक्षाः 3 मई को NEET-UG-2026 की परीक्षा हुई। पेपर लीक के कारण परीक्षा रद्द कर दी गई थी। केंद्रीय शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान ने 21 जून को दोबारा एग्जाम कराने का फैसला लिया। धर्मेंद्र प्रधान ने कहा कि 'हम नहीं चाहते थे कि कोई गलत कैंडिडेट सिलेक्ट हो जाए। इसलिए हमने बड़ी जिम्मेदारी से परीक्षा रद्द करने का फैसला लिया। अब यह परीक्षा रविवार 21 जून को होगी। 7 मई को गड़बड़ी का पता चला था। फिर 12 मई को रीएग्जाम का फैसला लिया गया।' अगले सत्र से NEET-UG परीक्षा ऑनलाइन होगी।

❑ **पप्पू यादव भी हुए शामिल, पटना में नीट पेपर लीक को लेकर प्रदर्शन**

राहुल गांधी पटना में 11 जुलाई को करेंगे स्टूडेंट सम्मेलनः दूसरी ओर कांग्रेस ने पेपर लीक, परीक्षा अनियमितताओं और बेरोजगारी के मुद्दे पर केंद्र सरकार के खिलाफ राष्ट्रव्यापी अभियान शुरू करने की घोषणा कर दी है। नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी 11 जुलाई को पटना में छात्र सम्मेलन आयोजित करेंगे। इस सम्मेलन में छात्रों, उम्मीदवारों, युवा संगठनों, शिक्षकों और परीक्षा घोटालों से सीधे प्रभावित सभी लोगों को एक साथ लाया जाएगा। पेपरलीक और युवाओं से जुड़े मुद्दों पर राहुल गांधी स्टूडेंट्स से बात करेंगे।

2 पुलिसकर्मियों को गोली मारने वाला एनकाउंटर में ढेर

एजेंसी, पटना

पटना में अपर थानेदार और ASI को गोली मारने वाला अपराधी एनकाउंटर में ढेर हुआ है। मसौढ़ी में शुक्रवार की शाम किडनैपिंग केस में पुलिस और अपराधियों के बीच भीषण मुठभेड़ हुई थी। अपराधियों की फायरिंग में मसौढ़ी थाने के अपर थानेदार राहुल कुमार और ASI संजय कुमार को गोली लगी। पुलिस ने मोर्चा संभालते हुए एक अपराधी हैदर को गोली मारकर ढेर कर दिया। ये मुठभेड़ शुक्रवार की शाम 7:15 बजे मसौढ़ी थाने से महज 400 मीटर दूर मणिचक तालाब के पास एक खेत में हुई। दोनों ओर से करीब 12 गोलियां चलीं। मुठभेड़ के बाद पुलिस ने भी किडनैप किए युवक को छुड़वा लिया। अपराधी वहां से भाग निकले थे। इसके बाद पुलिस को सूचना मिली की एक बदमाश को गोली लगी है। उसके साथ उसे पटना के 4 अस्पतालों में ले गए, लेकिन उसकी मौत हो गई।

गोली लगने के बाद अपराधी भाग निकलेः पटना पूर्वी के पुलिस अधीक्षक परिचय कुमार ने बताया- 12 जून को शाम के 7 बजे के आसपास पुलिस को सूचना मिली थी अपराधियों ने एक युवक का अपहरण किया है। उसके साथ मारपीट की जा रही है। सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची। पुलिस को देखते ही अपराधियों ने फायरिंग कर दी। इसमें 2 पुलिस वालों को गोली लगी है। पुलिस की जवाबी कार्रवाई में अपराधी भाग निकले। पुलिस ने किडनैप हुए युवक को छुड़वाया। उसने बताया कि OLX पर मोबाइल बेचने-खरीदने के नाम पर उसे यहां बुलाया गया था।

घायल पुलिस वालों को AIIMS में भर्ती किया गया है। दोनों की स्थिति खतरे से बाहर है। इसके बाद पता चला कि पुलिस की कार्रवाई में एक अपराधी को गोली लगी है। सभी अपराधी घायल को लेकर पहले पुनपुन स्वास्थ्य केंद्र पहुंचे। इसके बाद उसे PMCH लेकर आए। यहां से मैक्स फिर पारस अस्पताल पहुंचे। मैक्स अस्पताल में अपराधी की मौत हो गई। उसका नाम हैदर है। हैदर की क्राइम हिस्ट्री है। 3-4 पहले जेल से बाहर आया था। बाकी अपराधियों की भी पहचान कर ली गई है। सभी से पूछताछ की जा रही है। घटना में 4 से 6 अपराधियों की बात सामने आ रही है।

◆ **किडनैपिंग कर भागे, गोलियां बरसाईं, बुलेट लगने के बाद 4 अस्पतालों में ले गए साथी**

पूरी घटना संगत पर के रहने वाले रंजन कुमार के अपहरण से जुड़ी है। संगतपर का रहने वाला रंजन साइबर कैफे चलाता है और ऑनलाइन पुराने मोबाइल की खरीद-बिक्री करता है। मोबाइल के पैसों के लेनदेन को लेकर 6 हथियारबंद अपराधी कार से आए और रंजन को कॉल कर तालाब के पास बुलाया। वहां अपराधी उसे पास के खेत में ले गए और उसके साथ मारपीट की। बदमाशों ने युवक से तीन-चार मोबाइल और कैश भी लूट लिया। अपराधी रंजन को अपहरण कर ले जाने लगे। स्थानीय लोगों ने जब उसे बचाने की कोशिश की, तो गोली मारने की धमकी देकर उन्हें पीछे हटा दिया। इसके बाद लोगों ने डायल 112 और थाने को सूचना दी। सूचना मिलते ही अपर थानेदार राहुल कुमार अपनी टीम के साथ मौके पर पहुंचे। पुलिस को देखते ही अपराधियों ने गोलियां बरसानी शुरू कर दीं। इस दौरान राहुल कुमार को दो गोलियां लगीं। एक पैर में और एक हाथ में। ASI संजय कुमार के हाथ में भी गोली लगी।

'सबूत मिटाने के लिए बेल्ट्रॉन ऑफिस में आग लगवाई गई'

एजेंसी, पटना

पटना में बिस्कोमान भवन की 13वीं मंजिल पर शनिवार सुबह करीब 4 बजे आग लग गई। गार्ड बिल्डिंग में मौजूद था। उसने देखा कि पूरा धुआं भरने लगा है। बाहर निकला तो 13वें फ्लोर की खिड़कियों से आग की लपटें दिखाई दीं। इसके बाद उसने पुलिस और फायर ब्रिगेड को इसकी सूचना दी। थोड़ी देर में फायर ब्रिगेड की गाड़ियां बिस्कोमान भवन पहुंच गईं। ऊंचाई ज्यादा होने की वजह से आग पर काबू पाने में परेशानी हो रही है थी।

इसके बाद हाइड्रोलिक गाड़ियां मंगवाई गईं। इनकी मदद से करीब 45 मिनट के अंदर आग पर काबू पा लिया गया। आग से बेल्ट्रॉन ऑफिस को नुकसान पहुंचा है। इलेक्ट्रॉनिक गैजेट्स और डॉक्यूमेंट्स जले हैं।

आग लगने के बाद फ्लोर में धुआं भरने लगा। इसके बाद गार्ड पता लगाने में लगा कि धुंआ कहां से आ रहा है। उसने देखा कि 13वीं मंजिल पर आग लगी है। इसके बाद अफरातफरी का माहौल बन गया। फायर कंट्रोल रूम को खबर की गई। आग लगने की घटना में नुकसान भी पहुंचा है। जिसका आंकलन फिलहाल नहीं किया जा सका है। लोगों ने बताया कि फायर ब्रिगेड की गाड़ियों की आवाज आ रही थी। ये सब सुनकर हम यहां पहुंचे। देखा तो बिल्डिंग से तेज लपटें उठ रही थीं।

❑ **कांग्रेस बोली- रिशु श्री यहीं से टेंडर मैनेज करता था**

पटना के करगिल चौक पर डिप्लोमा फार्मासिस्ट अभ्यर्थियों का प्रदर्शन

एजेंसी, पटना

बिहार तकनीकी सेवा आयोग (BTSC) द्वारा डिप्लोमा फार्मासिस्ट के 2473 पदों पर नियमित नियुक्ति का फाइनल रिजल्ट जारी नहीं किए जाने को लेकर अभ्यर्थियों का आक्रोश सड़क पर दिखा। शनिवार को बड़ी संख्या में अभ्यर्थियों ने पटना में प्रदर्शन करते हुए आयोग के खिलाफ नारेबाजी की। डिप्लोमा फार्मासिस्ट ऑर्गनाइजेशन और छात्र संघ, बिहार के बैनर तले अभ्यर्थियों ने पीएमसीएच गेट से गांधी मैदान तक मार्च निकाला। इसके बाद कारगिल चौक के पास बिहार तकनीकी सेवा आयोग के चेयरमैन और सचिव का प्रतीकात्मक पुतला दहन किया गया।

छात्र संघ के प्रदेश अध्यक्ष अरविंद कुमार ने कहा कि, 'आयोग को शुक्रवार तक फाइनल रिजल्ट जारी करने का अल्टीमेटम दिया गया था, लेकिन तय समय बीत जाने के बाद भी परिणाम घोषित नहीं किया गया।' उन्होंने आरोप लगाया कि चयन प्रक्रिया पूरी होने के बावजूद रिजल्ट रोके जाने से हजारों अभ्यर्थियों का भविष्य अधर में लटक गया है और इससे मानसिक व आर्थिक दबाव बढ़ रहा है।

राहुल गांधी पटना में 11 जुलाई को करेंगे स्टूडेंट सम्मेलन

एजेंसी, पटना

नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी 11 जुलाई को पटना में छात्र सम्मेलन आयोजित करेंगे। कांग्रेस ने पेपर लीक, परीक्षा अनियमितताओं और बेरोजगारी के मुद्दे पर केंद्र सरकार के खिलाफ राष्ट्रव्यापी अभियान शुरू करने की घोषणा की है। इस सम्मेलन में छात्रों, उम्मीदवारों, युवा संगठनों, शिक्षकों और परीक्षा घोटालों से सीधे प्रभावित सभी लोगों को एक साथ लाया जाएगा। पेपरलीक और युवाओं से जुड़े मुद्दों पर राहुल गांधी स्टूडेंट्स से बात करेंगे।

राहुल गांधी देश के छात्रों और युवाओं के लिए उठाएंगे आवाजः कांग्रेस महासचिव (संगठन) केसी वेणुगोपाल ने इसकी जानकारी दी। वेणुगोपाल ने कहा- राहुल गांधी देश के छात्रों और युवाओं के लिए लगातार आवाज उठाने में एक विश्वसनीय आवाज बनकर उभरे हैं। यह अभियान उन लाखों युवा भारतीयों की समस्याओं को सामने लाएगा जिनका भविष्य पेपर लीक, परीक्षा की बढ़ती लागत और एक निष्पक्ष पारदर्शी भर्ती प्रणाली नहीं होने से प्रभावित हो रहा है।

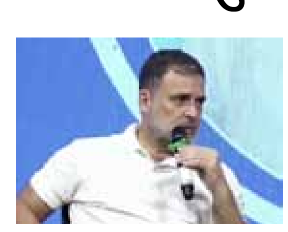

◆ **पेपरलीक के खिलाफ करेंगे छात्रों से संवाद, युवा अपने अनुभव करेंगे साझा**

पेपर लीक रैकेट के खिलाफ सख्त कानूनी कार्रवाई की मांगः इस अभियान के जरिए राहुल गांधी केंद्र सरकार के सामने नीट (NEET) परीक्षा का डिसेंट्रलाइजेशन, प्रतियोगी परीक्षाओं के लिए एग्जाम फीस की समाप्ति, पेपर लीक रैकेट में शामिल लोगों के खिलाफ सख्त कानूनी कार्रवाई, परीक्षा प्रणाली में उच्चतम स्तर पर जवाबदेही तय करना, जैसी मांगें रखेंगे। इस अभियान की शुरुआत 17 जून को कोटा से हो रही है। उसके बाद 10 जुलाई को प्रयागराज और 14 जुलाई को दिल्ली में स्टूडेंट सम्मेलन होंगे।

युवा अपने अनुभव साझा करेंगेः वेणुगोपाल ने कहा कि, इन सम्मेलनों में पेपरलीक और भर्ती घोटालों से प्रभावित युवाओं को अपने अनुभव साझा करने का मंच मिलेगा। बार-बार होने वाली परीक्षा विफलताओं व पेपर लीक घोटालों के लिए जवाबदेही तय करने की मांग करने का भी अवसर होगा। वेणुगापाल ने कहा- 'इस देशव्यापी अभियान के तहत देश भर में एनएसयूआई, यूथ कांग्रेस के साथ सभी प्रदेश कांग्रेस कमेटियों और जिला कांग्रेस कमेटियां छात्रों को लामबंद करेंगी। छात्रों और शिक्षकों से कॉन्टैक्ट करके पेपरलीक के खिलाफ लामबंद होकर सुधार पर जोर दिया जाएगा।

नेपाल बॉर्डर से तस्करी कर लाई गई अफीम-गांजे की खेप पकड़ी गई, चार महिला तस्कर गिरफ्तार

बीएनएम@ मोतिहारी।

पूर्वी चम्पारण पुलिस ने मादक पदार्थों की तस्करी के खिलाफ बड़ी कार्रवाई करते हुए नेपाल सीमा से लाई गई अफीम, गांजा और डोडा की खेप बरामद की है। गोविन्दगंज थाना क्षेत्र के सरेया पाण्डेय टोला में छापेमारी कर पुलिस ने चार महिला तस्करों को गिरफ्तार किया है।

पुलिस को गुप्त सूचना मिली थी कि सरेया गांव के कुछ तस्करों द्वारा नेपाल से भारी मात्रा में मादक पदार्थ लाकर अखिलेश यादव के घर में छिपाकर रखा गया है। सूचना के आधार पर अनुमंडल पुलिस पदाधिकारी (अरेराज) रवि कुमार एवं पुलिस उपाधीक्षक ऋषभ कुमार परिहार के नेतृत्व में विशेष छापेमारी टीम का गठन किया गया।

गठित टीम ने सरेया पाण्डेय टोला स्थित अखिलेश यादव के घर की घेराबंदी कर तलाशी ली। छापेमारी के दौरान पुलिस ने 1.890 किलोग्राम अफीम, 4 किलोग्राम गांजा, 1.100 किलोग्राम डोडा तथा 14,300 रुपये नकद बरामद किए।

कार्रवाई के दौरान पुलिस ने तस्करी नेटवर्क से जुड़ी चार महिलाओं को गिरफ्तार किया। गिरफ्तार आरोपियों में सुनीता देवी (पत्नी-अखिलेश यादव), रिंकी कुमारी (पत्नी-टुनटुन यादव), सुनीता देवी (पत्नी-मिथिलेश यादव) तथा नन्हकी देवी उर्फ किरण देवी (पिता-रामाशंकर यादव) शामिल हैं। सभी आरोपी गोविन्दगंज थाना क्षेत्र के सरेया पाण्डेय टोला की निवासी हैं।

पुलिस के अनुसार, इस गिरोह के पुरुष सदस्य फरार हैं, जिनकी गिरफ्तारी के लिए लगातार छापेमारी की जा रही है। मामले में एनडीपीएस अधिनियम के तहत कार्रवाई की जा रही है। इस अभियान में गोविन्दगंज थानाध्यक्ष राजू कुमार मिश्रा, डुमरियाघाट थानाध्यक्ष विवेक कुमार बालेन्दु, पहाड़पुर थानाध्यक्ष अजय कुमार, संग्रामपुर थानाध्यक्ष अनुप कुमार, डीआईयू एवं एसटीएफ की टीम सहित सशस्त्र बल के जवान शामिल रहे। पुलिस ने इसे नशा तस्करी के अंतरराष्ट्रीय नेटवर्क के खिलाफ बड़ी सफलता बताया है।

साइबर अपराधियों पर कसेगा शिकंजा, एसपी स्वर्ण प्रभात ने किया साइबर थाना का औचक निरीक्षण

बीएनएम@ मोतिहारी।

पूर्वी चंपारण में बढ़ते साइबर अपराधों पर प्रभावी नियंत्रण के लिए पुलिस प्रशासन लगातार सक्रिय है। इसी क्रम में पुलिस अधीक्षक स्वर्ण प्रभात ने शनिवार को मोतिहारी स्थित साइबर थाना का औचक निरीक्षण कर वहां की कार्यप्रणाली का जायजा लिया। निरीक्षण के दौरान उन्होंने अधिकारियों एवं कर्मियों को आवश्यक दिशा-निर्देश देते हुए साइबर अपराधियों के विरुद्ध कार्रवाई को और तेज करने पर बल दिया। एसपी ने ऑपरेशन साइबर प्रहार के तहत चल रहे अभियानों की समीक्षा की तथा साइबर अपराध से संबंधित मामलों के त्वरित निष्पादन, तकनीकी अनुसंधान और शिकायतों के शीघ्र निवारण को प्राथमिकता देने का निर्देश दिया। उन्होंने कहा कि साइबर अपराधी लगातार नए-नए तरीके अपनाकर लोगों को ठगी का शिकार बना रहे हैं, इसलिए पुलिस को भी तकनीकी रूप से और अधिक सशक्त एवं सतर्क रहने की आवश्यकता है। स्वर्ण प्रभात ने साइबर थाना की व्यवस्थाओं को और मजबूत बनाने, लंबित मामलों के शीघ्र अनुसंधान तथा अपराधियों की पहचान कर उनके खिलाफ कठोर कार्रवाई सुनिश्चित करने का निर्देश दिया। उन्होंने अधिकारियों से कहा कि आम लोगों को भी साइबर सुरक्षा के प्रति जागरूक करना जरूरी है। **पुलिस अधीक्षक ने आम नागरिकों से अपील की कि किसी भी संदिग्ध कॉल, लिंक या ऑनलाइन लेनदेन से सावधान रहें तथा साइबर ठगी की आशंका होने पर तुरंत पुलिस को सूचना दें। उन्होंने भरोसा दिलाया कि साइबर अपराधियों के खिलाफ अभियान लगातार जारी रहेगा।**

गोढ़वा चौक के समीप स्वर्ण व्यवसायी से पांच लाख की लूट, एसपी ने घटनास्थल पहुंच संभाली कमान

बीएनएम@ मोतिहारी

पूर्वी चंपारण में पुलिस की लगातार कार्रवाई के बावजूद अपराधियों के हौसले बुलंद नजर आ रहे हैं। मुफ्फसिल थाना क्षेत्र के गोढ़वा चौक के समीप शनिवार देर रात एक स्वर्ण व्यवसायी से करीब पांच लाख रुपये मूल्य के आभूषण एवं नकदी की लूट की घटना को अंजाम दिया गया। घटना के बाद इलाके में सनसनी फैल गई है। प्राप्त जानकारी के अनुसार, स्वर्ण व्यवसायी अपनी दुकान बंद कर रात करीब दस बजे घर लौट रहे थे। इसी दौरान पहले से घात लगाए बैठे बदमाशों ने उन्हें निशाना बनाया। बताया जाता है कि दो मोटरसाइकिलों पर सवार पांच अपराधियों ने व्यवसायी को रोककर लूटपाट की और वारदात को अंजाम देने के बाद फरार हो गए।

घटना की सूचना मिलते ही मुफ्फसिल थाना पुलिस मौके पर पहुंची और जांच शुरू कर दी। लूट में करीब पांच लाख रुपये मूल्य के आभूषण एवं नकदी ले जाने की बात सामने आ रही है। पुलिस आसपास के लोगों से पूछताछ करने के साथ-साथ घटनास्थल के आसपास लगे सीसीटीवी कैमरों के फुटेज भी खंगाल रही है। मामले की गंभीरता को देखते हुए पूर्वी चंपारण के पुलिस अधीक्षक स्वर्ण प्रभात स्वयं घटनास्थल पर पहुंचे। उन्होंने पीड़ित व्यवसायी एवं स्थानीय लोगों से घटना की जानकारी ली तथा पुलिस अधिकारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। पुलिस अधीक्षक ने बताया कि मामले के खुलासे एवं अपराधियों की गिरफ्तारी के लिए विशेष टीमों का गठन किया गया है। तकनीकी साक्ष्यों और सीसीटीवी फुटेज के आधार पर अपराधियों की पहचान की जा रही है। पुलिस का दावा है कि जल्द ही मामले का खुलासा कर आरोपितों को गिरफ्तार कर लिया जाएगा।

घटना के बाद क्षेत्र के व्यवसायियों में चिंता का माहौल है। वहीं पुलिस लगातार छापेमारी अभियान चलाकर अपराधियों तक पहुंचने का प्रयास कर रही है।

मुख्यमंत्री बाल हृदय योजना का 100वां बैच अहमदाबाद रवाना

बीएनएम@ मोतिहारी।

बिहार सरकार की महत्वपूर्ण जीवनदायिनी योजना मुख्यमंत्री बाल हृदय योजना के अंतर्गत बाल हृदय रोगियों का 100वां बैच निःशुल्क शल्य चिकित्सा के लिए श्री सत्य साईं अस्पताल, अहमदाबाद रवाना किया गया। इस ऐतिहासिक अवसर पर पूर्वी चंपारण जिले के दो बाल हृदय रोगी शिवानी कुमारी (रक्सौल) एवं शुभम पाल (केसरिया) को उनके परिजनों के साथ राज्य स्वास्थ्य समिति, बिहार, पटना के लिए भेजा गया। सिविल सर्जन डॉ. दिलीप कुमार ने शुक्रवार सुबह 7 बजे हरी झंडी दिखाकर दोनों बच्चों को एंबुलेंस के माध्यम से पटना रवाना किया। उनके साथ चिकित्सा पदाधिकारी, अरेराज डॉ. सरताज आलम को भी भेजा गया, ताकि यात्रा के दौरान बच्चों को आवश्यक चिकित्सकीय सहायता उपलब्ध कराई जा सके। इस अवसर पर सिविल सर्जन डॉ. दिलीप कुमार ने बताया कि मुख्यमंत्री बाल हृदय योजना के तहत अब तक पूर्वी चंपारण जिले के 172 बाल हृदय रोगियों की सफल सर्जरी कराई जा चुकी है। उन्होंने कहा कि यह योजना आर्थिक रूप से कमजोर परिवारों के बच्चों के लिए नई उम्मीद लेकर आई है और उन्हें जीवनदान प्रदान कर रही है। आरबीएसके डीसी डॉ. शशि मिश्रा ने जानकारी दी कि राज्य स्वास्थ्य समिति, पटना से स्वास्थ्य मंत्री निशांत कुमार द्वारा 100वें बैच में शामिल बिहार के 32 बाल हृदय रोगियों को पटना एयरपोर्ट के लिए रवाना किया जाएगा। इसके बाद बिहार सरकार अपने खर्च पर बच्चों एवं उनके परिजनों को हवाई मार्ग से श्री सत्य साईं अस्पताल, अहमदाबाद भेजेगी। उन्होंने बताया कि अस्पताल में बच्चों की सर्जरी के साथ-साथ रहने, खाने और अन्य आवश्यक सुविधाओं का पूरा खर्च बिहार सरकार द्वारा वहन किया जाएगा। यह योजना राज्य सरकार की जनकल्याणकारी सोच और स्वास्थ्य सेवाओं के प्रति प्रतिबद्धता का उत्कृष्ट उदाहरण है। मौके पर सिविल सर्जन डॉ. दिलीप कुमार, आरबीएसके डीसी डॉ. शशि मिश्रा, चिकित्सा पदाधिकारी अरेराज डॉ. सरताज आलम, प्रमोद कुमार एवं जौवाद हुसैन सहित अन्य स्वास्थ्यकर्मी उपस्थित थे।

संक्षिप्त समाचार

प्रवेक्षण गृह में व्यक्तित्व विकास कार्यशाला का सफल आयोजन

बीएनएम@बेतिया। आरोही कला संस्कृति वेलफेयर ट्रस्ट द्वारा प्रवेक्षण गृह, बेतिया में "पर्सनालिटी डेवलपमेंट कार्यशाला" का सफल आयोजन किया गया। कार्यक्रम का उद्देश्य बच्चों एवं किशोरों में आत्मविश्वास, नेतृत्व क्षमता, सकारात्मक सोच, प्रभावी संवाद कौशल तथा जीवन मूल्यों का विकास करना था। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि आदित्य मधुकर (नेशनल यूथ आइकन) ने प्रतिभागियों को संबोधित करते हुए व्यक्तित्व विकास के विभिन्न आयामों पर प्रकाश डाला। उन्होंने कहा कि सफलता प्राप्त करने के लिए आत्मविश्वास, अनुशासन, सकारात्मक सोच और निरंतर सीखने की प्रवृत्ति अत्यंत आवश्यक है। उन्होंने बच्चों एवं युवाओं को अपने लक्ष्य निर्धारित कर दृढ़ संकल्प के साथ आगे बढ़ने के लिए प्रेरित किया। कार्यशाला के दौरान प्रतिभागियों को व्यक्तित्व विकास, प्रभावी संवाद कौशल, समय प्रबंधन, नेतृत्व क्षमता तथा नैतिक मूल्यों से संबंधित महत्वपूर्ण जानकारियां प्रदान की गईं। विभिन्न प्रेरणादायक गतिविधियों और संवाद सत्रों के माध्यम से उन्हें जीवन में सकारात्मक परिवर्तन लाने के लिए प्रोत्साहित किया गया। इस अवसर पर सीपीओ अजय पासवान एवं एडीसीपी दिलीप कुमार कामत विशिष्ट अतिथि के रूप में उपस्थित रहे। कार्यक्रम में प्रवेक्षण गृह के प्रभारी अधीक्षक शंभू प्रसाद, हाउस फादर प्रमोद सिंह लोधी, पैरामेडिकल स्टाफ राकेश कुमार, हाउस मदर साजिदा गुफरान, परामर्शदाता मिथिलेश कुमार, संगीत शिक्षक प्रभात कुमार तथा आरोही कला संस्कृति वेलफेयर ट्रस्ट के सचिव प्रभात कुमार झा सहित अन्य गणमान्य लोग मौजूद रहे। अतिथियों ने बच्चों के सर्वांगीण विकास के लिए इस प्रकार की कार्यशालाओं को अत्यंत उपयोगी बताते हुए संस्था के प्रयासों की सराहना की। कार्यक्रम के अंत में सभी अतिथियों, अधिकारियों एवं प्रतिभागियों के प्रति आभार व्यक्त किया गया। आरोही कला संस्कृति वेलफेयर ट्रस्ट ने भविष्य में भी शिक्षा, युवा सशक्तिकरण, कौशल विकास एवं सामाजिक जागरूकता के क्षेत्र में ऐसे रचनात्मक एवं प्रेरणादायक कार्यक्रम आयोजित करने की प्रतिबद्धता व्यक्त की।

आम्रपाली प्रशिक्षण केंद्र का शुभारंभ, महात्मा गांधी प्रेक्षागृह में मिलेगा शास्त्रीय गायन, कथक नृत्य और तबला वादन का निःशुल्क प्रशिक्षण

बीएनएम@ मोतिहारी। कला एवं संस्कृति विभाग, बिहार सरकार तथा जिला प्रशासन के संयुक्त तत्वावधान में जिले में आम्रपाली प्रशिक्षण केंद्र का संचालन शीघ्र शुरू होने जा रहा है। इस केंद्र के माध्यम से कला के क्षेत्र में रुचि रखने वाले बच्चों, युवाओं और कलाकारों को संगीत एवं नृत्य की विभिन्न विधाओं का निःशुल्क प्रशिक्षण दिया जाएगा।

जिला कला एवं संस्कृति पदाधिकारी फहद सिद्दीकी ने बताया कि जून माह के अंतिम सप्ताह में केंद्र का विधिवत शुभारंभ किया जाएगा। उन्होंने कहा कि बिहार सरकार की इस महत्वाकांक्षी योजना का उद्देश्य राज्य के प्रतिभाशाली कलाकारों को प्रोत्साहित करना तथा उन्हें पेशेवर प्रशिक्षण उपलब्ध कराकर राज्य एवं राष्ट्रीय स्तर पर अपनी प्रतिभा प्रदर्शित करने के लिए तैयार करना है। उन्होंने बताया कि प्रशिक्षण केंद्र का संचालन शहर स्थित महात्मा गांधी प्रेक्षागृह में किया जाएगा। प्रारंभिक चरण में शास्त्रीय गायन, कथक नृत्य एवं तबला वादन का प्रशिक्षण उपलब्ध कराया जाएगा। प्रशिक्षण पूरी तरह निःशुल्क होगा तथा नामांकन प्रक्रिया शुरू कर दी गई है। इच्छुक अभ्यर्थी समाहरणालय परिसर स्थित जिला कला एवं संस्कृति कार्यालय से नामांकन प्रपत्र प्राप्त कर सकते हैं। प्रशिक्षण से संबंधित विस्तृत जानकारी के लिए भी कार्यालय से संपर्क किया जा सकता है। जिला कला एवं संस्कृति पदाधिकारी ने बताया कि नामांकन के लिए न्यूनतम आयु सीमा छह वर्ष निर्धारित की गई है। प्रशिक्षण केंद्र प्रत्येक मंगलवार से रविवार तक दोपहर 12 बजे से शाम 6 बजे तक संचालित होगा। कथक नृत्य के प्रशिक्षणार्थियों को नृत्य परिधान एवं घुंघरू की व्यवस्था स्वयं करनी होगी। उन्होंने कहा कि आम्रपाली प्रशिक्षण केंद्र कला के क्षेत्र में आगे बढ़ने की इच्छा रखने वाले कलाकारों के लिए एक सुनहरा अवसर साबित होगा। अनुभवी कला गुरुओं के मार्गदर्शन में प्रशिक्षण प्राप्त कर प्रतिभागी अपने उज्ज्वल भविष्य की मजबूत नींव रख सकेंगे।

23 रन से रंगपुर को हराकर नारायणपुर बनी चैंपियन

स्व. राम सागर राय स्मृति क्रिकेट टूर्नामेंट का खिताब किया अपने नाम

बीएनएम@ पताही।

प्रखंड क्षेत्र के गोनाही पंचायत अंतर्गत रंगपुर में आयोजित स्वर्गीय राम सागर राय स्मृति नॉकआउट क्रिकेट टूर्नामेंट का फाइनल मुकाबला रोमांच, उत्साह और शानदार खेल प्रदर्शन से भरपूर रहा। खिताबी मुकाबले में नारायणपुर की टीम ने मेजबान रंगपुर को 23 रन से पराजित कर टूर्नामेंट की ट्रॉफी अपने नाम कर ली। फाइनल मैच का उद्घाटन एवं खिलाड़ियों का उत्साहवर्धन पंचायत समिति सदस्य अभिषेक सिंह, चंदन सिंह, विजय पटेल, पृथ्वीनाथ जी एवं रणधीर सिंह ने किया। बड़ी संख्या में मौजूद खेलप्रेमियों की मौजूदगी में खेले गए मुकाबले में नारायणपुर ने टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी करने का निर्णय लिया। पहले बल्लेबाजी करते हुए नारायणपुर की टीम ने निर्धारित 16 ओवर में 148 रन बनाकर रंगपुर के सामने 149 रनों का लक्ष्य रखा। जवाब में बल्लेबाजी करने उतरी रंगपुर की टीम ने संघर्षपूर्ण प्रदर्शन किया, लेकिन नारायणपुर के अनुशासित गेंदबाजी आक्रमण के सामने टिक नहीं सकी। निर्धारित 16 ओवर में रंगपुर की टीम 126 रन ही बना सकी। इस प्रकार नारायणपुर ने 23 रन से शानदार जीत दर्ज करते हुए टूर्नामेंट का खिताब अपने नाम कर लिया। जीत के बाद खिलाड़ियों और समर्थकों में उत्साह का माहौल देखने को मिला तथा विजेता टीम का जोरदार स्वागत किया गया। पुरस्कार वितरण समारोह में विजेता नारायणपुर टीम को ट्रॉफी के साथ 13,001 रुपये की नगद राशि तथा उपविजेता रंगपुर टीम को ट्रॉफी के साथ 7,101 रुपये की नगद राशि प्रदान की गई। अतिथियों ने खिलाड़ियों को खेल भावना के साथ आगे बढ़ने और क्षेत्र में खेल संस्कृति को मजबूत करने का संदेश दिया। इस अवसर पर संजय सिंह, रोहित कुमार, आलोक कुमार, नागेंद्र ठाकुर, विश्वनाथ मांझी सहित बड़ी संख्या में गणमान्य लोग एवं हजारों खेलप्रेमी उपस्थित रहे। पूरे मैच के दौरान दर्शकों का उत्साह चरम पर रहा और खिलाड़ियों के शानदार प्रदर्शन पर मैदान तालियों की गड़गड़ाहट से गूंजता रहा।

रामगढ़वा अंचल कार्यालय में जनता दरबार, 6 मामलों की हुई सुनवाई

बीएनएम@ रामगढ़वा।

स्थानीय अंचल कार्यालय में शनिवार को जनता दरबार का आयोजन किया गया, जिसमें क्षेत्र के लोगों ने अपनी विभिन्न समस्याएं अधिकारियों के समक्ष रखीं। जनता दरबार की अध्यक्षता अंचल अधिकारी राजा कुमार ने की। जनता दरबार में मुख्य रूप से भूमि विवाद से संबंधित मामले सामने आए। कुल 6 मामलों की सुनवाई की गई, जिनमें से 4 मामलों का मौके पर ही निष्पादन कर दिया गया। वहीं, 2 मामलों में संबंधित आवेदकों की अनुपस्थिति के कारण अगली तिथि निर्धारित की गई। इस अवसर पर अंचल अधिकारी राजा कुमार के साथ पुलिस पदाधिकारी राधेश्याम यादव भी मौजूद रहे। दोनों अधिकारियों ने संयुक्त रूप से फरियादियों की शिकायतें सुनीं तथा त्वरित समाधान के लिए संबंधित राजस्व कर्मियों एवं पुलिस पदाधिकारियों को आवश्यक निर्देश दिए। अंचल अधिकारी ने कहा कि सरकार की मंशा के अनुरूप भूमि विवादों के निपटारे को प्राथमिकता दी जा रही है, ताकि आम लोगों को न्याय के लिए अनावश्यक रूप से अदालतों के चक्कर न लगाने पड़ें। उन्होंने लंबित मामलों के आवेदकों से अगली सुनवाई की तिथि पर उपस्थित होकर अपने मामलों के निष्पादन में सहयोग करने की अपील की। जनता दरबार के आयोजन से क्षेत्रीय लोगों को अपनी समस्याओं के समाधान के लिए एक प्रभावी मंच उपलब्ध हो रहा है, जिससे भूमि विवादों के त्वरित निपटारे में सहायता मिल रही है।

मंडल कारा में बंद कैदी की जीएमसीएच में इलाज के दौरान मौत, परिजनों ने लगाया मारपीट का आरोप

बीएनएम@ बेतिया।

मनवापुल थाना क्षेत्र स्थित बेतिया मंडल कारा में बंद एक कैदी की इलाज के दौरान जीएमसीएच बेतिया में मौत हो गई। घटना के बाद पुलिस महकमे में हड़कंप मच गया है। मामले को लेकर विभिन्न स्तरों पर चर्चा जारी है। मृतक की पहचान गोपालपुर थाना क्षेत्र के बैसखवा पंचायत वार्ड संख्या-6 निवासी 35 वर्षीय चोकट शाह के रूप में हुई है। जानकारी के अनुसार, मंडल कारा में बंद रहने के दौरान उसकी तबीयत बिगड़ गई, जिसके बाद उसे इलाज के लिए सरकारी मेडिकल कॉलेज अस्पताल (जीएमसीएच) बेतिया में भर्ती कराया गया था। इलाज के दौरान उसकी मौत हो गई। मृतक की पत्नी लीलावती देवी ने आरोप लगाया है कि उनका पति घर से दो लाख रुपये और लगभग 20 हजार रुपये मूल्य का मोबाइल लेकर निकला था। उनके अनुसार, वह नशे की हालत में था, तभी मध्यनिषेध विभाग की टीम ने उसे पकड़ लिया। उन्होंने आरोप लगाया कि गिरफ्तारी के दौरान उसके साथ मारपीट की गई, जिससे उसकी तबीयत बिगड़ गई। परिजनों का कहना है कि बाद में उसे न्यायालय में प्रस्तुत कर 9 जून को बेतिया मंडल कारा भेज दिया गया। उनका आरोप है कि समय पर उचित इलाज नहीं मिलने के कारण उसकी हालत लगातार खराब होती गई और अंततः इलाज के दौरान उसकी मौत हो गई। घटना की सूचना मिलते ही मृतक के गांव और आसपास के क्षेत्र में शोक का माहौल व्याप्त हो गया। परिजनों का रो-रोकर बुरा हाल है। मृतक की पत्नी ने मामले की निष्पक्ष जांच और दोषियों के विरुद्ध कार्रवाई की मांग की है। हालांकि, पुलिस या प्रशासन की ओर से मारपीट के आरोपों की आधिकारिक पुष्टि नहीं की गई है। मामले की जांच के बाद ही मौत के वास्तविक कारणों का स्पष्ट रूप से पता चल सकेगा।

आठ साल पुराने प्रेम संबंध में धोखाधड़ी का आरोप, महिला ने थाने में लगाई न्याय की गुहार

शादी का दावा कर लाखों रुपये और जेवरात हड़पने का आरोप, पुलिस ने शुरू की जांच

बीएनएम@ रामगढ़वा।

थाना क्षेत्र में प्रेम संबंध, विवाह और कथित विश्वासघात से जुड़ा एक मामला सामने आया है। नेपाल के बीरगंज निवासी एक महिला ने एक युवक और उसके पिता पर शादी का भरोसा देकर लाखों रुपये तथा कीमती जेवरात लेने और बाद में संबंध समाप्त कर देने का आरोप लगाया है। मामले को लेकर स्थानीय स्तर पर चर्चा का माहौल है। पीड़िता रानी मिश्रा ने रामगढ़वा थाना में दिए आवेदन में बताया है कि उसका सुमित कुमार के साथ पिछले आठ वर्षों से संबंध था। महिला के अनुसार, करीब आठ वर्ष पूर्व दोनों ने नेपाल के प्रसिद्ध गढ़ीमाई मंदिर में पारंपरिक रीति-रिवाजों से विवाह किया था और तब से पति-पत्नी की तरह साथ रह रहे थे।

आवेदन में महिला ने आरोप लगाया है कि इस दौरान सुमित कुमार ने भविष्य में साथ निभाने और पारिवारिक जरूरतों का हवाला देकर उससे करीब छह लाख नेपाली रुपये लिए। साथ ही पांच कीमती सोने-चांदी के जेवरात भी सुरक्षित रखने के नाम पर अपने पास रख लिए। महिला का आरोप है कि रुपये और जेवरात लेने के बाद सुमित कुमार तथा उसके पिता अरविंद सिंह का व्यवहार बदल गया। उन्होंने उसके साथ दुर्व्यवहार करना शुरू कर दिया और बाद में संबंध समाप्त कर दिया। पीड़िता का कहना है कि जब उसने संपर्क करने का प्रयास किया तो उसका मोबाइल नंबर भी ब्लॉक कर दिया गया।

अपने आवेदन में महिला ने यह भी आरोप लगाया है कि पूरे मामले में युवक के पिता की भी भूमिका रही है। उनका कहना है कि उन्होंने बेटे को समझाने के बजाय उसका समर्थन किया और महिला से दूरी बनाने के लिए प्रेरित किया। घटना से आहत महिला ने रामगढ़वा थाना पहुंचकर आरोपियों के विरुद्ध कानूनी कार्रवाई की मांग की है। पुलिस ने आवेदन प्राप्त कर मामले की जांच शुरू कर दी है।

थानाध्यक्ष ने बताया कि प्राप्त आवेदन के आधार पर मामले की जांच की जा रही है। जांच के दौरान जो भी तथ्य सामने आएंगे, उसके अनुसार आगे की कानूनी कार्रवाई की जाएगी।

पुलिस का कहना है कि फिलहाल मामले की सत्यता की जांच जारी है। जांच पूरी होने के बाद ही आरोपों की पुष्टि हो सकेगी।

रामगढ़वा पुलिस की बड़ी कार्रवाई, दो मामलों में तीन आरोपी गिरफ्तार

बीएनएम@रामगढ़वा। थाना क्षेत्र में अपराध नियंत्रण एवं वांछित अभियुक्तों की गिरफ्तारी को लेकर चलाए जा रहे अभियान के तहत रामगढ़वा पुलिस ने दो अलग-अलग मामलों में कार्रवाई करते हुए तीन आरोपियों को गिरफ्तार किया है। सभी आरोपियों को आवश्यक कानूनी प्रक्रिया पूरी करने के बाद न्यायिक हिरासत में भेज दिया गया। पुलिस से मिली जानकारी के अनुसार, पहली कार्रवाई में रामगढ़वा थाना कांड संख्या 244/26, दिनांक 20 मई 2026 के नामजद अभियुक्त मंजय राउत उर्फ मंजय पटेल को गिरफ्तार किया गया। उसके विरुद्ध भारतीय न्याय संहिता (बीएनएस) की धारा 274 एवं 275 तथा बिहार मद्यनिषेध एवं उत्पाद अधिनियम की धारा 30(अ) के तहत मामला दर्ज है। गिरफ्तार अभियुक्त मिश्रौलिया गांव का निवासी बताया गया है। वहीं दूसरी कार्रवाई में पुलिस ने टीआर संख्या 270/26 के वांछित दो आरोपियों को गिरफ्तार किया। इनमें हरिशंकर महतो (85 वर्ष), पिता स्वर्गीय लाहवर महतो तथा उनके पुत्र बीरबली महतो (40 वर्ष), निवासी बेलवा पिपरपाती शामिल हैं। थानाध्यक्ष राजीव कुमार साह ने बताया कि क्षेत्र में अपराध एवं असामाजिक गतिविधियों पर अंकुश लगाने के लिए पुलिस का विशेष अभियान लगातार जारी है। उन्होंने कहा कि फरार एवं वांछित आरोपियों की गिरफ्तारी के लिए नियमित छापेमारी की जा रही है तथा कानून व्यवस्था बनाए रखने के लिए सख्त कार्रवाई की जाएगी।

डूबने से मृत चार लोगों के परिजनों को मिली चार-चार लाख की सहायता राशि

बीएनएम@ मोतिहारी। जिला के बंजरिया प्रखंड में डूबने की घटनाओं में जान गंवाने वाले चार लोगों के आश्रितों को सरकार की आपदा राहत योजना के तहत चार-चार लाख रुपये की अनुग्रह सहायता राशि प्रदान की गई। शनिवार को बंजरिया अंचल कार्यालय परिसर में आयोजित कार्यक्रम के दौरान सीओ रोहन रंजन सिंह ने लाभुकों को सहायता राशि का चेक सौंपा। कार्यक्रम में सेमरहिया निवासी उपेंद्र यादव को उनकी पुत्री लकी कुमारी की डूबने से हुई मृत्यु के उपरांत चार लाख रुपये का चेक प्रदान किया गया। वहीं खैराघाट निवासी भुवन मुखिया को उनके पिता अदालत मुखिया की डूबने से हुई मौत के बाद चार लाख रुपये की सहायता राशि दी गई। इसके अलावा सेमरा भोला टोला निवासी कांति देवी को उनके पति योगेंद्र भगत की डूबने से हुई मृत्यु पर चार लाख रुपये तथा जनेरवा निवासी राकेश सहनी को उनकी पुत्री सुनीता कुमारी की डूबने से हुई मौत के बाद चार लाख रुपये का चेक सौंपा गया। इस अवसर पर पंचायत समिति क्षेत्र संख्या- 03 के प्रतिनिधि एवं युवा कांग्रेस के जिला अध्यक्ष बिट्टू यादव, पंचायत समिति सदस्य लक्ष्मण शाह, अंचल नाजिर मुकेश कुमार सहित अन्य गणमान्य लोग उपस्थित थे। मौके पर अधिकारियों ने कहा कि प्राकृतिक आपदाओं से प्रभावित परिवारों को सरकार की ओर से निर्धारित प्रावधानों के तहत समय पर सहायता उपलब्ध कराने का प्रयास किया जा रहा है, ताकि पीड़ित परिवारों को कठिन परिस्थितियों में राहत मिल सके।

अपराध नियंत्रण में विफलता पर छतौनी थानाध्यक्ष लाइन हाजिर

बीएनएम@ मोतिहारी। पूर्वी चम्पारण में अपराध नियंत्रण को लेकर पुलिस अधीक्षक स्वर्ण प्रभात ने बड़ी प्रशासनिक कार्रवाई की है। अपराध नियंत्रण में अपेक्षित सफलता नहीं मिलने पर छतौनी थानाध्यक्ष मृत्युंजय पासवान को लाइन हाजिर कर दिया गया है। पुलिस सूत्रों के अनुसार, क्षेत्र में बढ़ती आपराधिक घटनाओं और अपराध नियंत्रण में विफलता को देखते हुए यह कार्रवाई की गई है। पुलिस अधीक्षक ने कानून-व्यवस्था को और प्रभावी बनाने के उद्देश्य से तत्काल प्रभाव से यह निर्णय लिया। वहीं, छतौनी थाना की जिम्मेदारी अब 2009 बैच के दारोगा अमित कुमार सिंह को सौंपी गई है। उन्हें नया थानाध्यक्ष नियुक्त किया गया है। पुलिस महकमे में इस कार्रवाई को अपराधियों के खिलाफ सख्त रुख और बेहतर पुलिसिंग सुनिश्चित करने की दिशा में महत्वपूर्ण कदम माना जा रहा है। अधिकारियों का कहना है कि जिले में कानून-व्यवस्था बनाए रखने तथा अपराध पर प्रभावी नियंत्रण के लिए जवाबदेही तय की जाएगी और लापरवाही बरतने वाले अधिकारियों पर कार्रवाई जारी रहेगी।

छेड़खानी कांड का वांछित अभियुक्त गिरफ्तार

बीएनएम@मोतिहारी/हरसिद्धि।

हरसिद्धि थाना पुलिस ने छेड़खानी के एक मामले में फरार चल रहे वांछित अभियुक्त को गिरफ्तार करने में सफलता प्राप्त की है। पुलिस के अनुसार, हरसिद्धि थाना कांड संख्या 248/26 में नामजद अभियुक्त कमलेश मिश्रा, पिता ध्रुप मिश्रा, निवासी फतुहा, थाना कोटवा, जिला पूर्वी चम्पारण को गिरफ्तार किया गया है। अभियुक्त के विरुद्ध छेड़खानी से संबंधित मामला दर्ज था। गिरफ्तारी के बाद उससे पूछताछ की जा रही है तथा आगे की कानूनी कार्रवाई जारी है।

पुलिस अभिलेखों के अनुसार, कमलेश मिश्रा का आपराधिक इतिहास भी रहा है। उसके विरुद्ध पूर्व में हत्या के प्रयास, जुआ एवं मारपीट जैसे मामलों में भी कांड दर्ज हैं। हरसिद्धि थाना कांड संख्या 303/22 हत्या के प्रयास, कांड संख्या 506/23 जुआ, कांड संख्या 403/25 मारपीट तथा कांड संख्या 413/25 मारपीट से संबंधित है।

पुलिस अधिकारियों ने बताया कि जिले में वांछित अपराधियों की गिरफ्तारी के लिए विशेष अभियान लगातार चलाया जा रहा है। कानून-व्यवस्था बनाए रखने तथा अपराधियों पर प्रभावी कार्रवाई के लिए पुलिस पूरी तरह सतर्क है। मोतिहारी पुलिस ने आम लोगों से अपील की है कि किसी भी संदिग्ध गतिविधि की सूचना तत्काल पुलिस को दें, ताकि समय पर कार्रवाई सुनिश्चित की जा सके।

एनएच-27 पर एसटीएफ और डुमरियाघाट पुलिस की बड़ी कार्रवाई, 10.54 किलो अफीम के साथ चार गिरफ्तार

- **आर्टिगा कार भी हुई है जब्त, अफीम उपलब्ध कराने वाला भी धराया**

बीएनएम@डुमरियाघाट।

एसटीएफ के सहयोग से डुमरियाघाट थाना पुलिस ने मादक पदार्थ तस्करी के विरुद्ध बड़ी कार्रवाई करते हुए एनएच-27 स्थित नरसिंह बाबा मंदिर के समीप शुक्रवार देर रात एक उजले रंग की एर्टिगा कार (BR 01 FS 5368) से 10.54 किलोग्राम अफीम जैसा मादक पदार्थ बरामद किया है। इस मामले में तीन तस्करों को मौके से गिरफ्तार किया गया, जबकि उनकी निशानदेही पर अफीम उपलब्ध कराने वाले एक अन्य आरोपी को भी गिरफ्तार कर लिया गया। गिरफ्तार आरोपियों में साजन कुमार यादव (21 वर्ष), पिता कैलाश यादव, निवासी सिकीद, थाना चतरा, जिला चतरा (झारखंड), मुन्ना कुमार यादव (24 वर्ष), पिता स्वर्गीय रामदेव महतो, निवासी सिंघवारी वार्ड संख्या-4, थाना चतरा, जिला चतरा (झारखंड) तथा अनुज कुमार साव (27 वर्ष), पिता होरिल साव, निवासी हिरी बागीचा, थाना मोहनपुर, जिला गया शामिल हैं।

पुलिस पूछताछ एवं आरोपियों की निशानदेही पर जितेंद्र चौधरी, पिता स्वर्गीय चनर चौधरी, निवासी सरैया खास, थाना गोविंदगंज, जिला पूर्वी चंपारण को भी गिरफ्तार किया गया, जिस पर अफीम उपलब्ध कराने का आरोप है।

पुलिस ने बरामद मादक पदार्थ, वाहन एवं अन्य साक्ष्यों को जब्त कर लिया है। इस संबंध में डुमरियाघाट थाना कांड संख्या 188 / 26, दिनांक 12 जून 2026 दर्ज करते हुए धारा 8/17(c)/18(c)/23(c)/25/29 एनडीपीएस एक्ट के तहत प्राथमिकी दर्ज की गई है। पुलिस द्वारा गिरफ्तार सभी आरोपियों से पूछताछ की जा रही है तथा मादक पदार्थ तस्करी के नेटवर्क के अन्य सदस्यों की पहचान एवं गिरफ्तारी के लिए आगे की कार्रवाई जारी है।

गोविन्दगंज विधायक राजू तिवारी ने अस्पतालों का किया निरीक्षण, स्वास्थ्य सुविधाओं का लिया जायजा

बीएनएम@अरेराज।

गोविन्दगंज विधानसभा क्षेत्र के विधायक राजू तिवारी ने शनिवार को मलाही, अरेराज एवं पहाड़पुर स्थित सरकारी अस्पतालों का निरीक्षण कर स्वास्थ्य व्यवस्थाओं का जायजा लिया। इस दौरान उन्होंने अस्पतालों में उपलब्ध सुविधाओं, दवाओं, चिकित्सकीय संसाधनों तथा साफ-सफाई की स्थिति की विस्तृत समीक्षा की। निरीक्षण के दौरान विधायक ने अस्पतालों में पाई गई कमियों को जल्द दूर करने के लिए संबंधित अधिकारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि मरीजों को बेहतर स्वास्थ्य सेवाएं उपलब्ध कराना सरकार की प्राथमिकता है और इसमें किसी प्रकार की लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी। बरसात के मौसम को देखते हुए विधायक ने अस्पतालों में सांप काटने की दवा (एंटी स्नेक वेनम), बुखार तथा अन्य मौसमी बीमारियों के उपचार के लिए पर्याप्त मात्रा में दवाएं और आवश्यक चिकित्सा संसाधन उपलब्ध रखने का निर्देश दिया। उन्होंने कहा कि बारिश के दिनों में स्वास्थ्य संबंधी चुनौतियां बढ़ जाती हैं, इसलिए अस्पताल प्रशासन को पूरी तरह तैयार रहना चाहिए ताकि आम लोगों को समय पर और बेहतर इलाज मिल सके। अस्पतालों में जीविका दीदियों द्वारा की जा रही साफ-सफाई एवं रखरखाव व्यवस्था को देखकर विधायक ने संतोष व्यक्त किया। उन्होंने कहा कि स्वच्छ अस्पताल मरीजों के स्वास्थ्य लाभ में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं और जीविका दीदियों का योगदान सराहनीय है। राजू तिवारी ने कहा कि पूर्व मुख्यमंत्री नीतीश कुमार और मुख्यमंत्री सम्राट चौधरी की दूरदर्शी सोच तथा जनकल्याणकारी नीतियों के परिणामस्वरूप बिहार में स्वास्थ्य सेवाओं में लगातार सकारात्मक बदलाव देखने को मिल रहा है। उन्होंने कहा कि सरकार ग्रामीण क्षेत्रों तक बेहतर स्वास्थ्य सुविधाएं पहुंचाने के लिए लगातार कार्य कर रही है, जिसका लाभ आम जनता को मिल रहा है। निरीक्षण के दौरान अस्पताल प्रशासन के अधिकारियों एवं स्वास्थ्यकर्मियों को आवश्यक निर्देश दिए गए तथा मरीजों को बेहतर सुविधाएं उपलब्ध कराने के लिए हरसंभव प्रयास करने पर जोर दिया गया।

सरकारी अस्पताल भवन निर्माण पर सवाल

- **घोड़ासहन सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र के नए भवन निर्माण में अनियमितता का आरोप, घटिया सामग्री के इस्तेमाल से स्थानीय लोगों में आक्रोश**

बीएनएम@घोड़ासहन।

पूर्वी चंपारण जिले के घोड़ासहन प्रखंड स्थित सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र (BPHU) परिसर में बन रहे नए भवन के निर्माण कार्य पर गंभीर सवाल उठने लगे हैं। स्थानीय लोगों ने निर्माण में भारी अनियमितता और मानकों की अनदेखी का आरोप लगाया है। उनका कहना है कि करोड़ों रुपये खर्च कर स्वास्थ्य सुविधाओं को बेहतर बनाने की सरकारी कोशिशों को ठेकेदारों और जिम्मेदार अधिकारियों की लापरवाही से नुकसान पहुंचाया जा रहा है। जानकारी के अनुसार, बिहार चिकित्सा सेवाएं एवं आधारभूत संरचना निगम लिमिटेड (BMSICL) के तहत वित्तीय वर्ष 2025-26 में करीब 40 लाख रुपये की लागत से भवन का निर्माण कराया जा रहा है। परियोजना का कार्य तेतरिया निवासी संवेदक दिनेश गुप्ता को दिया गया है। ग्रामीणों का आरोप है कि निर्माण कार्य में निम्न गुणवत्ता की ईंट, बालू और अन्य सामग्री का उपयोग किया जा रहा है। उनका कहना है कि निर्माण स्थल पर रखी गई कई ईंटें कमजोर हैं और आसानी से टूट जा रही हैं। साथ ही सीमेंट-बालू के मिश्रण में भी निर्धारित मानकों का पालन नहीं किया जा रहा है। स्थानीय लोगों ने यह भी आरोप लगाया कि निर्माण कार्य की निगरानी के लिए जिम्मेदार विभागीय अभियंता मौके पर नहीं पहुंच रहे हैं, जिससे निर्माण की गुणवत्ता पर लगातार सवाल उठ रहे हैं। लोगों का कहना है कि स्वास्थ्य केंद्र जैसे महत्वपूर्ण स्थल पर कमजोर निर्माण भविष्य में किसी बड़े हादसे का कारण बन सकता है। मामले को लेकर स्थानीय नागरिकों ने जिला प्रशासन और स्वास्थ्य विभाग से उच्चस्तरीय जांच की मांग की है। उन्होंने जिलाधिकारी एवं सिविल सर्जन से निर्माण कार्य की तकनीकी जांच कर दोषियों के खिलाफ कार्रवाई करने तथा कार्य को गुणवत्ता मानकों के अनुरूप कराने की अपील की है।

कीमत चुकानी पड़ रही

सफल औद्योगिक राष्ट्र वे रहे हैं, जिन्होंने जिस उत्पाद पर ध्यान केंद्रित किया, उसकी पूरी आपूर्ति शृंखला अपने यहां स्थापित की। सफलता का एक सूत्र यह भी है कि उत्पादित वस्तुओं का एक बड़ा घरेलू बाजार भी हो।

दुनिया भर में सेमीकंडक्टर उद्योग इस समय ‘मेमफ्लेशनÓ की चुनौती का सामना कर रहा है। इस शब्द का अर्थ है मेमरी चिप्स की कमी के कारण बढ़ी महंगाई। मेमरी चिप्स की कीमत आसमान पर है, जिससे सेमीकंडक्टर महंगे हो गए हैं। इनका भारी असर उपभोक्ता इलेक्ट्रॉनिक्स उत्पादों- खासकर मोबाइल फोन के उत्पादन पर पड़ा है। भारत के लिए ये घटनाक्रम इसलिए महत्त्वपूर्ण है कि मेक इन इंडिया और चाइना+1 रणनीति की कोई सफलता अपने देश में है, तो वह मोबाइल फोन की मैनुफैक्चरिंग (अथवा असेंबलिंग) है। हालिया वर्षों में भारत से मोबाइल फोन का निर्यात तेजी से बढ़ा है। मगर साथ ही मोबाइल फोन के पाट-पुर्जों का आयात भी बढ़ा है, जो ज्यादातर चीन, दक्षिण कोरिया या ताइवान जैसे देशों से होता है। जो चीजें बाहर से आती हैं, उनमें मेमरी चिप्स भी हैं। नतीजतन, ताजा ट्रेंड से भारत स्थित कारखानों की मुश्किलें बढ़ी हैं। एक अन्य खबर है कि अमेरिका में आयात शुल्क संबंधी जारी अनिश्चय के कारण भारत से सोलर मॉड्यूल का निर्यात बुरी तरह प्रभावित हुआ है। इस वर्ष की पहली तिमाही में सिर्फ एक को छोड़कर अमेरिका के लिए बाकी सभी भारतीय कंपनियों का निर्यात शून्य रहा। सोलर पैनल्स पर ट्रंप प्रशासन ने 230 फीसदी टैरिफ लगा रखा है, जबकि भारतीय सौर उद्योग का अमेरिका प्रमुख बाजार है। तो सार यह कि जहां मोबाइल फोन उद्योग आयात निर्भरता के कारण पैदा हुई चुनौती झेल रहा है, वहीं सौर ऊर्जा उद्योग निर्यात निर्भरता संबंधी। तो सबक क्या है? सफल औद्योगिक राष्ट्र वे रहे हैं, जिन्होंने जिस उत्पाद पर ध्यान केंद्रित किया, उसकी पूरी आपूर्ति शृंखला अपने यहां स्थापित की। इसीलिए इंडस्ट्रीयल पार्कों को इतनी अहमियत दी जाती है। साथ ही सफलता का एक सूत्र यह भी है कि उत्पादित वस्तुओं का एक बड़ा घरेलू बाजार हो, जो भू-राजनीतिक एवं व्यापार जनित संकटों के समय संबंधित उद्योग का सहारा बना रहे। भारत में उद्यम के जो सफल क्षेत्र हैं, अब साफ है कि उनमें इन पहलुओं की उपेक्षा की गई। उन्हें अर्थव्यवस्था के समग्र विकास की सोच से इतर स्थापित किया गया। अब उसकी कीमत चुकानी पड़ रही है।

पीएम स्वनिधि योजनाः पथ विक्रेताओं के सशक्तिकरण और वित्तीय समावेशन की परिवर्तनकारी यात्रा

मनोहर लाल

भारत में शहरीकरण तीव्र गति से बढ़ रहा है। अनुमान है कि वर्ष 2050 तक देश की लगभग 50 प्रतिशत आबादी शहरी क्षेत्रों में निवास करेगी। वर्तमान में शहरी कार्यबल का लगभग 66 प्रतिशत हिस्सा अनौपचारिक क्षेत्र से जुड़ा है, जो शहरी अर्थव्यवस्था का महत्वपूर्ण आधार है। इस अनौपचारिक क्षेत्र में पथ विक्रेताओं की भूमिका विशेष रूप से उल्लेखनीय है। फल, सब्ज़ियाँ, चाय, नाश्ता, कपड़े तथा दैनिक उपयोग की अन्य वस्तुएँ उपलब्ध कराने वाले ये लाखों विक्रेता न केवल करोड़ों नागरिकों के जीवन को सुगम बनाते हैं, बल्कि शहरी अर्थव्यवस्था को भी सशक्त करते हैं। इसके बावजूद, लंबे समय तक उनकी औपचारिक बैंकिंग और ऋण तक पहुँच सीमित रही। क्रेडिट हिस्ट्री के अभाव में उन्हें अक्सर ऊँची ब्याजदरों पर अनौपचारिक ऋण लेना पड़ता था, जिससे उनकी आय का बड़ा हिस्सा ऋण चुकाने में खर्च हो जाता था।

भारतीय पथ विक्रेता बदलती वैश्विक परिस्थितियों और विभिन्न आर्थिक व्यवधानों के बीच भी अपनी दृढ़ता और संघर्षशीलता के लिए जाने जाते हैं। पीएम स्वनिधि ने उनकी इस उद्यमशीलता को नई ऊर्जा प्रदान की है। यह केवल ऋण उपलब्ध कराने तक सीमित नहीं रही, बल्कि सम्मान, पहचान और नए अवसरों का एक सशक्त माध्यम बनी है। योजना की सफलता का प्रमुख आधार सरकार का समग्र दृष्टिकोण रहा, जिसमें केंद्र, राज्य, शहरी स्थानीय निकायों और बैंकिंग संस्थानों के समन्वित प्रयासों ने इसे देशभर अभूतपूर्व रूप से पहुँचाया तथा उल्लेखनीय परिणाम प्राप्त किये।

इस योजना के अंतर्गत लाखों विक्रेताओं के बैंक खाते सक्रिय हुए, उनका वित्तीय व्यवहार दर्ज होने लगा और पहली बार उनके लिए एक औपचारिक क्रेडिट हिस्ट्री का निर्माण हुआ। इससे भविष्य में और अधिक ऋण तथा वित्तीय सेवाओं तक उनकी पहुँच आसान हुई और वे आज बैंक के सम्मानित ग्राहक और उद्यमी के रूप में उभरे हैं। इस योजना का एक अन्य महत्वपूर्ण पहलू डिजिटल सशक्तिकरण है। यूपीआई और क्यूआर-कोड आधारित भुगतान को बढ़ावा देने के लिए कैशबैक प्रोत्साहन की व्यवस्था की गई है। इस पहल ने अभी तक 55 लाख विक्रेताओं को डिजिटल अर्थव्यवस्था से जोड़ा, उनके लेन-देन को पारदर्शी बनाया और उनकी वित्तीय साख को मजबूत किया है।

योजना की सोच केवल व्यवसाय तक सीमित नहीं रही। ‘स्वनिधि से समृद्धिÓ पहल के माध्यम से लाभार्थियों और उनके परिवारों को भारत सरकार की आठ प्रमुख कल्याणकारी योजनाओं से जोड़ा गया। अब तक 50 लाख से अधिक पथ विक्रेता परिवारों की प्रोफाइलिंग की जा चुकी है तथा इन योजनाओं के अंतर्गत 1.52 करोड़ से अधिक लाभ स्वीकृत किए जा चुके हैं। पेंशन, बीमा, स्वास्थ्य सुरक्षा और सामाजिक सुरक्षा जैसी सुविधाओं तक पहुँच प्रदान कर यह पहल पथ विक्रेताओं और उनके परिवारों के लिए एक व्यापक सामाजिक सुरक्षा तंत्र का माध्यम बनी है।

इसके अतिरिक्त एफएसएसएआई के सहयोग से खाद्य सुरक्षा और स्वच्छता संबंधी प्रशिक्षण भी प्रदान किए गए हैं, जिससे विशेष रूप से स्ट्रीट फूड विक्रेताओं की गुणवत्ता, स्वच्छता और ग्राहक विश्वास में वृद्धि हुई है। महिला सशक्तिकरण के क्षेत्र में भी योजना का योगदान उल्लेखनीय रहा है। कुल लाभार्थियों में लगभग 46 प्रतिशत महिलाएँ हैं। इससे उनकी आय, सामाजिक प्रतिष्ठा और पारिवारिक निर्णयों में भागीदारी बढ़ी है। वर्ष 2023 और 2025 में की गयी इंडिपेंडेंट इम्पैक्ट अस्सेस्मेंट्स ने भी योजना के दूरगामी प्रभावों की पुष्टि की है। लगभग 95 प्रतिशत लाभार्थियों ने अपने जीवन में पहली बार औपचारिक वित्तीय प्रणाली से ऋण प्राप्त किया, जो वित्तीय समावेशन की दिशा में एक ऐतिहासिक उपलब्धि है। इतना ही नहीं, बल्कि, लगभग 30 प्रतिशत लाभार्थी पीएम स्वनिधि से आगे बढ़कर अन्य औपचारिक वित्तीय संस्थानों से भी ऋण प्राप्त करने में सफल हुए, जो उनके बढ़ते वित्तीय विश्वास और सुदृढ़ क्रेडिट प्रोफाइल का प्रमाण है।

योजना के लाभार्थियों की आय में औसतन लगभग 20 प्रतिशत वार्षिक वृद्धि दर्ज की गई है। इसके साथ ही आवास, पोषण, स्वास्थ्य सेवाओं और बच्चों की शिक्षा जैसे क्षेत्रों में भी सुधार देखा गया है। वर्ष 2023 से 2025 के बीच यूपीआई आधारित लेन-देन का उपयोग लगभग 45 प्रतिशत से बढ़कर 83 प्रतिशत तक पहुँच गया है।

योजना के व्यापक और सकारात्मक प्रभाव को देखते हुए अगस्त 2025 में केंद्रीय मंत्रिमंडल ने इसके पुनर्गठित स्वरूप को मार्च 2030 तक विस्तारित करने की स्वीकृति प्रदान की। पुनर्गठित योजना के अंतर्गत पथ विक्रेताओं के ऋण की सीमा में वृद्धि की गई है तथा योजना का दायरा शहरी स्थानीय निकायों से आगे बढ़ाकर जनगणना नगर/शहरी-सीमावर्ती क्षेत्र तक विस्तारित किया गया है। इसके साथ ही, क्षमता निर्माण पर विशेष बल दिया जा रहा है, ताकि पथ विक्रेता बदलती आर्थिक आवश्यकताओं के अनुरूप अपने उद्यमों को और अधिक सशक्त बना सकें। इसी क्रम में स्वनिधि क्रेडिट कार्ड की शुरुआत भी एक महत्वपूर्ण कदम है। यह सुविधा पथ विक्रेताओं को उनकी तत्काल वित्तीय और व्यक्तिगत आवश्यकताओं की पूर्ति के लिए अल्पकालिक ब्याज-मुक्त ऋण उपलब्ध कराती है। यद्यपि, पीएम स्वनिधि योजना ने सड़क विक्रेताओं को वित्तीय सशक्तिकरण प्रदान की है, फिर भी आज, कई जगह उन्हें शहर की नियोजन संरचना का हिस्सा नहीं माना जाता है। उन्हें सुनियोजित वेंडिंग स्थानों के अभाव जैसी चुनौतियों का सामना करना पड़ता है। निश्चित स्थान न होने से उनकी आजीविका और ग्राहकों तक पहुँच प्रभावित होती है। इस चुनौती के समाधान हेतु आने वाले वर्षों में, राज्य सरकारों और शहरी स्थानीय निकायों के द्वारा पथ विक्रेताओं को शहरी नियोजन ढाँचे का अभिन्न हिस्सा बनाने का प्रयास किया जाना चाहिए। इस दिशा में एक छोटी सी पहल - स्ट्रीट फूड हब के माध्यम से उन्हें सुगम एवं व्यवस्थित व्यापारिक स्थान उपलब्ध कराए जाएंगे। इससे न केवल उनकी आजीविका अधिक सुदृढ़ होगी, बल्कि शहरों की स्वच्छता, सुव्यवस्था और समग्र शहरी वातावरण को भी बढ़ावा मिलेगा। यह योजना आत्मनिर्भर भारत और वोकल फॉर लोकल के संकल्प को जमीनी स्तर पर साकार करती है। पीएम स्वनिधि की सफलता इस बात का प्रमाण है कि समावेशी विकास का लाभ जमीनी स्तर तक पहुँच रहा है। पीएम स्वनिधि योजना ने पथ विक्रेताओं के लिए वित्तीय समावेशन और सामाजिक सुरक्षा का एक प्रभावी मॉडल प्रस्तुत किया है। मुझे विश्वास है कि आने वाले वर्षों में यह योजना लाखों विक्रेताओं की आजीविका को सशक्त बनाते हुए नई परिवर्तनकारी कहानियाँ रचेगी तथा विकसित भारत के निर्माण में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगी।

(लेखक केंद्रीय आवासन और शहरी कार्य मंत्री हैं।)

मीनाक्षी नटराजन के पास चुनाव याचिका का विकल्प?

सौरभ वार्ष्णेय

मध्य प्रदेश राज्यसभा चुनाव में कांग्रेस नेता मीनाक्षी नटराजन के नामांकन पत्र को निरस्त किए जाने और उसके खिलाफ सुप्रीम कोर्ट से तत्काल राहत न मिलने के बाद सबसे बड़ा प्रश्न यह है कि क्या उनके पास अब भी कोई कानूनी विकल्प बचा है। इसका उत्तर है— हाँ, चुनाव याचिका का विकल्प अभी भी उपलब्ध हो सकता है, लेकिन वह चुनाव प्रक्रिया पूरी होने के बाद ही। भारतीय संविधान का अनुच्छेद 329 स्पष्ट करता है कि चुनाव प्रक्रिया के दौरान अदालतें सामान्यतः हस्तक्षेप नहीं कर सकतीं। चुनाव की वैधता को चुनौती देने का उचित माध्यम चुनाव संपन्न होने के बाद चुनाव याचिका होती है। इसी संवैधानिक प्रावधान का हवाला देते हुए सुप्रीम कोर्ट ने मीनाक्षी नटराजन की याचिका पर तत्काल हस्तक्षेप से इनकार किया। राजनीतिक दृष्टि से देखें तो यह मामला केवल एक उम्मीदवार के नामांकन का नहीं रह गया है। कांग्रेस इसे चुनावी निष्पक्षता और लोकतांत्रिक अधिकारों का प्रश्न बना रही है, जबकि चुनाव आयोग और सत्तापक्ष इसे चुनावी नियमों के पालन का मामला बता रहे हैं। यदि मीनाक्षी नटराजन चुनाव याचिका दायर करती हैं और अदालत यह पाती है कि नामांकन निरस्त करने में कानूनी त्रुटि हुई थी, तो इससे चुनाव परिणाम और निर्वाचन प्रक्रिया दोनों पर गंभीर प्रश्न खड़े हो सकते हैं। इस पूरे घटनाक्रम का एक बड़ा संदेश यह भी है कि भारतीय लोकतंत्र में चुनाव आयोग, न्यायपालिका और राजनीतिक दलों के बीच संतुलन कितना महत्वपूर्ण है। चुनाव याचिका का प्रावधान इसी संतुलन को बनाए रखने के लिए बनाया गया था, ताकि चुनाव प्रक्रिया बाधित न हो और साथ ही किसी भी कथित अन्याय की न्यायिक समीक्षा भी संभव रहे

कांग्रेस के लिए यह मामला राजनीतिक संघर्ष का प्रतीक बन चुका है। यदि चुनाव याचिका दाखिल होती है, तो यह केवल कानूनी लड़ाई नहीं होगी, बल्कि चुनावी पारदर्शिता और संस्थागत विश्वसनीयता पर भी व्यापक बहस को जन्म दे सकती है। दूसरी ओर, यदि न्यायालय चुनाव आयोग के निर्णय को सही ठहराता है, तो यह चुनावी नियमों के कठोर अनुपालन का एक महत्वपूर्ण उदाहरण माना जाएगा। मीनाक्षी नटराजन के पास चुनाव याचिका का रास्ता मौजूद है, लेकिन उसकी सफलता इस बात पर निर्भर करेगी कि वह यह साबित कर पाती हैं या नहीं कि उनका नामांकन कानून के विपरीत या मनमाने ढंग से निरस्त किया गया था। यही कारण है कि यह मामला आने वाले समय में भारतीय चुनावी न्यायशास्त्र की एक महत्वपूर्ण कसौटी बन सकता है। सुप्रीम कोर्ट ने कांग्रेस नेता मीनाक्षी नटराजन के राज्यसभा नामांकन को रद्द करने वाले रिटर्निंग ऑफिसर के आदेश में दखल देने से सीधे तौर पर इनकार कर दिया। जस्टिस पीके मिश्र और जस्टिस एएस चंदूरकर की पीठ ने फैसला सुनाया कि राज्यसभा चुनाव के लिए नामांकन पत्र खारिज होने को चुनौती देने वाली मीनाक्षी नटराजन की याचिका सुनवाई योग्य नहीं है। शीर्ष अदालत ने स्पष्ट किया कि एक बार जब रिटर्निंग ऑफिसर की तरफ से किसी उम्मीदवार का नामांकन खारिज कर दिया जाता है, तो इसके समाधान के लिए केवल चुनाव आयोग के पास जाना ही एकमात्र उपाय है। अदालत ने मीनाक्षी नटराजन के वकील अभिषेक मनु सिंघवी से पूछा, निर्णय चाहे कितना भी गलत क्यों न हो, एक बार नामांकन खारिज हो जाने के बाद, इसका उपाय आमतौर पर कहीं और होता है। क्या इस न्यायालय का कोई ऐसा निर्णय है जहां हमने इस स्तर पर हस्तक्षेप किया हो?।सुप्रीम कोर्ट ने मीनाक्षी नटराजन के मामले में स्पष्ट कर दिया कि चुनाव से जुड़े मामलों पर रिट याचिका के माध्यम से कोई राहत नहीं दी जा सकती। सिर्फ सांविधानिक मामलों में ही रिट याचिका के जरिए सुप्रीम कोर्ट आया जा सकता है। चुनाव याचिका संसदीय, विधानसभा या स्थानीय चुनावों के नतीजों की वैधता की जांच करने की एक वैधानिक प्रक्रिया है। आसान शब्दों में कहें तो, यह कानून के तहत किसी चुनाव में विजयी उम्मीदवार के निर्वाचन को अदालत में चुनौती देने का एक साधन है।

मीनाक्षी नटराजन का मामला क्या है?

मीनाक्षी नटराजन का नामांकन फॉर्म 26 में तेलंगाना के एक आपराधिक मामले का खुलासा न करने के कारण रिटर्निंग ऑफिसर की तरफ से खारिज किया गया। उनके वकील ने सुप्रीम कोर्ट में यह तर्क दिया कि जिस मामले का खुलासा नहीं किया गया उसमें केवल नोटिस जारी हुए थे और जनप्रतिनिधित्व कानून के तहत नामांकन को गलत तरीके से खारिज किया गया है, लेकिन न्यायालय ने इस स्तर पर कोई भी राहत देने से इनकार कर दिया।

सौरभ वार्ष्णेय/
ईएमएस/13जून2026
लेखक वरिष्ठ पत्रकार, चिंतक, राजनीतिक विचारक है।

मेष राशि : सुबह से ही ऐसा लग सकता है कि दिन उम्मीद से थोड़ा ज्यादा व्यस्त रहने वाला है। घर या काम से जुड़ी कोई छोटी-सी जिम्मेदारी अचानक सामने आ सकती है, जिस वजह से अपनी बनाई हुई योजना में बदलाव करना पड़े। हालांकि परेशान होने की जरूरत नहीं है, क्योंकि जैसे-जैसे दिन आगे बढ़ेगा, चीजें अपने आप व्यवस्थित होती चली जाएंगी।

वृषभ राशि : सुबह किसी छोटी-सी बात को लेकर मन थोड़ा उलझ सकता है। हो सकता है किसी व्यक्ति का जवाब आपकी उम्मीद के मुताबिक न मिले या कोई काम तय समय से थोड़ा देर में पूरा हो। हालांकि दिन की शुरुआत जैसी भी रहे, दोपहर तक स्थिति काफी हद तक सामान्य होती दिखाई देगी। कामकाज के मामले में आज आप बिना शोर-शराबे के अपना काम निकालने में सफल रह सकते हैं।

मिथुन राशि : आज का दिन बातचीत, संदेशों और लोगों से जुड़े छोटे-छोटे घटनाक्रमों के बीच बीत सकता है। सुबह से ही फोन, मैसेज या किसी जरूरी सूचना का इंतजार बना रह सकता है। कुछ लोगों को ऐसी खबर भी मिल सकती है जिसका इंतजार पिछले कई दिनों से था। हालांकि हर बात पर तुरंत प्रतिक्रिया देने के बजाय थोड़ा ठहरकर सोचना बेहतर रहेगा।

कर्क राशि : आपका ध्यान बार-बार घर, परिवार और उन लोगों की तरफ जा सकता है जिनसे आपका भावनात्मक जुड़ाव है। सुबह किसी करीबी व्यक्ति से हुई बातचीत पूरे दिन आपके मन में चलती रह सकती है। जरूरी नहीं कि बात बहुत बड़ी हो, लेकिन उसका असर आपके विचारों पर दिखाई देगा। आज आप लोगों की बातों के पीछे छिपी भावनाओं को जल्दी समझ पाएंगे।

सिंह राशि : सुबह से ही मन में कुछ नया करने या किसी अधूरे काम को पूरा करने की इच्छा बनी रहेगी। पिछले कुछ दिनों से जिस काम को लेकर उत्साह कम हो गया था, उसमें दोबारा रुचि जाग सकती है। आज आपका आत्मविश्वास भी सामान्य से बेहतर रहेगा। कार्यक्षेत्र में आपकी बातों और काम दोनों पर लोगों का ध्यान जाएगा।

कन्या राशि : आपकी आदत है कि हर काम को ठीक तरीके से करने की कोशिश करते हैं, लेकिन आज कुछ मामलों में परिस्थितियों को अपने हिसाब से चलने देना भी जरूरी होगा। हर छोटी बात को नियंत्रित करने की कोशिश आपको थका सकती है। कामकाज के क्षेत्र में दिन अच्छा रहेगा।

तुला राशि : सुबह किसी संदेश, फोन कॉल या अचानक हुई बातचीत से दिन की शुरुआत हो सकती है। किसी ऐसे व्यक्ति से संपर्क बनने की संभावना है जिससे काफी समय से बात नहीं हुई थी। यह संवाद छोटा हो सकता है, लेकिन आपके मन पर उसका असर लंबे समय तक रहेगा। कामकाज के क्षेत्र में दिन पहले से बेहतर दिखाई दे रहा है। शुभ अंकः 8

वृश्चिक राशि : सुबह किसी पुराने प्रसंग, व्यक्ति या अधूरी बातचीत की याद अचानक सामने आ सकती है। हालांकि आज आप पहले की तरह हर बात को पकड़कर बैठने के बजाय आगे बढ़ने की कोशिश करेंगे। कामकाज के मामले में दिन संतोषजनक रहेगा। जिस काम में पिछले कुछ दिनों से रुकावट महसूस हो रही थी, उसमें धीरे-धीरे गति आती दिखाई दे सकती है।

धनु राशि : सुबह किसी पुराने विचार, अधूरी योजना या लंबे समय से मन में चल रही इच्छा पर दोबारा ध्यान जा सकता है। कई दिनों से जिस काम को आप “बाद में देखेंगे” कहकर टाल रहे थे, आज उसी की तरफ कदम बढ़ाने का मन बन सकता है। कामकाज के मामले में दिन अच्छा दिखाई दे रहा है।

मकर राशिः सुबह से ही मन में एक अलग तरह की गंभीरता दिखाई दे सकती है। कई लोग आराम के मूड में होंगे, लेकिन आप अपनी जिम्मेदारियों को पहले पूरा करने की सोच सकते हैं। यही सोच आपको दूसरों से अलग बनाएगी। कार्यक्षेत्र में कोई ऐसा काम सामने आ सकता है जिसे बाकी लोग टालना चाहें।

कुंभ राशिः सुबह जिस विषय को लेकर मन में उलझन रहेगी, वही दोपहर तक काफी सरल लगने लगेगा। कई बार परिस्थितियां नहीं बदलतीं, बल्कि उन्हें देखने का तरीका बदल जाता है। आज ऐसा ही अनुभव हो सकता है। कामकाज में किसी की सलाह या कही हुई बात आपके लिए उपयोगी साबित हो सकती है।

मीन राशि : सुबह किसी पुराने गीत, तस्वीर या व्यक्ति का जिक्र अचानक बीते हुए समय की याद दिला सकता है। हालांकि आप उन बातों में ज्यादा देर तक उलझे नहीं रहेंगे और धीरे-धीरे अपना ध्यान जरूरी कामों की तरफ ले आएंगे। कामकाज के मामले में दिन संतोषजनक रहेगा। कोई छोटा-सा परिणाम या सकारात्मक प्रतिक्रिया आपका आत्मविश्वास बढ़ा सकती है।

मध्य वर्ग का सफरः नीतियों से मिलती प्रगति

भारत का सामाजिक-आर्थिक चेहरा बदल रहा है। इस बदलाव के केंद्र में आगे बढ़ता और आत्मविश्वास से लबरेज मध्य वर्ग है। इस तबके को एक समय में सतर्क खर्च और सीमित विकल्पों के लिए जाना जाता था। लेकिन आज मध्य वर्ग के परिवार ज्यादा सुरक्षा, अवसर और आकांक्षा की अनुभूति कर रहे हैं। पिछले 12 वर्षों में कराधान, स्वास्थ्यसेवा, आवासन, डिजिटल सेवाओं, अवसंरचना, शिक्षा और उद्यमिता में सुधारों से रोजमर्रा का जीवन ज्यादा किफायती और सुविधाजनक हो गया है। बेहतर कनेक्टिविटी, सेवाओं तक आसान पहुंच, किफायती आवास, सामाजिक सुरक्षा में वृद्धि और डिजिटल सशक्तीकरण से सुख-साधनों और आत्मविश्वास में इजाफा हुआ है। आय में वृद्धि और अवसरों के विस्तार के साथ भारत का मध्य वर्ग अब खुद को सिर्फ बदलाव के अनुरूप ढाल ही नहीं रहा बल्कि राष्ट्र के विकास, महत्वाकांक्षा और भविष्य की संपन्नता में सक्रिय योगदान कर रहा है।

सशक्त और विकासमानः भारत का नया मध्य वर्गः एक समय भारत के मध्य वर्ग को उसके सतर्क खर्चों, सीमित विकल्पों और छोटी महत्वाकांक्षाओं से पहचाना जाता था। आज यह वास्तविकता बदल चुकी है। बढ़ती आय, डिजिटल पहुंच और फैलते अवसरों के साथ ही आकांक्षाएं उपलब्धियों में बदल रही हैं। भारतीय समाज का यह तबका सरकार के समर्थन से लगातार सशक्त हो रहा है। वर्ष 2014 से आयकर छूट सीमाओं में रिकॉर्ड वृद्धि से लेकर जीएसटी सुधारों तक से उसकी बचत और खर्च करने योग्य आय बढ़ी है। अब यह मध्य वर्ग ज्यादा आत्मविश्वास के साथ सशक्त होकर भारत की विकास गाथा के केंद्र में खड़ा है।

किसे कहते हैं मध्य वर्ग? : मध्य वर्ग की परिभाषा क्रय शक्ति, शिक्षा के स्तर, सामाजिक सेवाओं और धन की अवधारणा के हिसाब से विभिन्न देशों के लिए अलग-अलग है। इस संबंध में विश्व बैंक के पैमाने को व्यापक तौर पर इस्तेमाल किया जाता है। विश्व बैंक प्रति व्यक्ति सकल राष्ट्रीय आय (जीएनआई) के आधार पर हर वर्ष अर्थव्यवस्थाओं का वर्गीकरण करता है। वित्त वर्ष 2026 के लिए देशों की आय का वर्गीकरण इस प्रकार है-

निम्न आयः 1135 डॉलर या इससे कम

निम्न मध्य आयः 1136 डॉलर से 4495 डॉलर तक

उच्च मध्य आयः 4496 डॉलर से 13935 डॉलर तक

उच्च आयः 13935 डॉलर से अधिक

यह वर्गीकरण वैश्विक अर्थव्यवस्था के अंदर मध्य वर्ग समेत आय समूहों के निर्धारण के लिए फ्रेमवर्क मुहैया कराता है।

भारतीय मध्य वर्ग का बदलता चेहराः 2010 में विश्व में मध्य वर्ग की आबादी का ज्यादातर हिस्सा आर्थिक सहयोग और विकास संगठन (ओईसीडी) की अर्थव्यवस्थाओं में रहता था मगर इसमें तेजी से बदलाव आया है। वर्ष 2009 और 2017 के बीच मध्य वर्ग की आबादी 1.8 अरब से बढ़ कर 3.5 अरब हो गई है। इसका लगभग 40 प्रतिशत हिस्सा मुख्यतः भारत और चीन समेत एशिया में है। वर्ष 2011 और 2019 के बीच भारत के प्रति व्यक्ति सकल घरेलू उत्पाद (जीडीपी) में 53 प्रतिशत का इजाफा हुआ। इस दौरान (1995 और 2021 के बीच) भारत के मध्य वर्ग का प्रति वर्ष 6.3 प्रतिशत की दर से विस्तार हुआ। वर्तमान में देश में मध्य वर्ग कुल आबादी का लगभग 31 प्रतिशत है। इस रुझान के बढ़ते जाने की उम्मीद है। ओईसीडी के अनुमानों के अनुसार 2030 और 2035 के बीच मध्य वर्ग की आबादी के लिहाज से चीन को भारत पीछे छोड़ देगा। यह स्थिति करोड़ों भारतीयों की बढ़ती आय, विस्तृत होते आर्थिक अवसरों और जीवन स्तर में सुधार को प्रतिबिंबित करती है। यह मजबूत उपभोक्ता मांग, खर्च करने की बढ़ती शक्ति और वैश्विक अर्थव्यवस्था में भारत के बढ़ते रसूख का संकेत भी है। यह बढ़ता मध्य वर्ग वैश्विक मांग को नया आकार दे रहा है। यह शहरीकरण और उदीयमान शहरों के उभार से नजदीक से जुड़ा है जो वैश्विक जीडीपी विकास को संचालित करते हैं। स्वस्थ अर्थव्यवस्था और सामंजस्यपूर्ण समाज के लिए मजबूत मध्य वर्ग महत्वपूर्ण है। यह उपभोग को बढ़ाने के साथ ही शिक्षा, स्वास्थ्य और आवासन में निवेश करता है। यह टैक्स में योगदान और बेहतर सेवाओं की मांग के जरिए सार्वजनिक प्रणालियों को मजबूत करता है। मध्य वर्ग शिक्षा को प्राथमिकता देकर मानव पूंजी का निर्माण करने के साथ ही दीर्घकालिक उत्पादकता और आय में वृद्धि में मददगार है। यह उद्यमिता, नवोन्मेष और छोटे व्यवसायों के विकास को भी प्रेरित करता है। इस सिलसिले में, विश्व आर्थिक मंच (डब्ल्यूईएफ) ने भारत के मध्य वर्ग के उपभोग के स्वरूप में बदलाव की ओर संकेत किया है। शहरी उपभोक्ता विकास का 93 प्रतिशत हिस्सा चोटी के पांच शहरों (नई दिल्ली, कोलकाता, मुंबई, बेंगलूरू और चेन्नई) के बाहर होने की उम्मीद है। इसके परिणामस्वरूप लगभग 500 ‘उपभोक्ता शहरोंÓ के उभरने की संभावना है जो बढ़ती आय और मध्य वर्ग के विस्तार में रूपांतरित होगी। डब्ल्यूईएफ की राय में 2036 तक भारत के कुल व्यय का 93 प्रतिशत हिस्सा मध्य वर्ग (और संपन्न उपभोक्ता) करेगा। वर्ष 2026 में यह हिस्सा 80 प्रतिशत है। इसके अलावा 2035 तक विभिन्न प्रमुख पीढ़ियों (बेबी बूमर्स, जेन एक्स, मिलेनियल और जेन जेड) का 20 प्रतिशत से अधिक हिस्सा रोजाना 45 डॉलर या इससे ज्यादा खर्च करेगा। यह व्यवसायों के लिए उत्पादों और सेवाओं के विकास तथा विभिन्न उम्र वर्गों को प्रभावित करने का अवसर प्रदान करता है। अर्थशास्त्र से आगे देखें तो मध्य वर्ग विश्वास को बढ़ावा देता, असमानता घटाता और एक स्थिर और सुशासित समाज की स्थापना में मदद करता है। कुल मिला कर, मजबूत मध्य वर्ग वाले देश ज्यादा समावेशी और निरंतर आर्थिक विकास हासिल करते हैं।

मध्य वर्ग का सुदृढ़ीकरणः परिवर्तनकारी शासन के 12 वर्ष : सरकार ने पिछले 12 वर्षों में व्यापक सुधारों के माध्यम से भारत के मध्य वर्ग का सशक्तीकरण किया है। सरल कराधान तथा ज्यादा मजबूत बैंकिंग, बीमा और पेंशन प्रणालियों से वित्तीय सुरक्षा में वृद्धि हुई है। विस्तार लेते शहरी विकास, बेहतर कनेक्टिविटी और अवसंरचना में सुधार से नए अवसर पैदा हुए हैं। बुनियादी सुविधाओं तक पहुंच में सुधार, सुगम स्वास्थ्यसेवा, सुदृढ़ शिक्षा और कौशल विकास तथा बेजोड़ डिजिटल शासन से रोजमर्रा की सुविधाएं बेहतर हुई हैं। ये सभी कदम मिल कर संपत्ति सृजन और दीर्घकालिक स्थिरता के लिए सुरक्षित मार्ग प्रदान करते हैं।

कराधान में कमी, बैंकिंग और बीमा में सुधार तथा पेंशन का विस्तार : सरकार ने पिछले 12 वर्षों में भारतीय मध्य वर्ग की वित्तीय सुरक्षा को मजबूत किया है। कराधान में कमी, बैंकिंग तक पहुंच में सुधार, व्यापक बीमा कवरेज और पेंशन के विस्तार से वित्तीय तनाव में कमी आई है। रियायती ब्याज दरों और डिजिटल सुधारों से बचत, ऋण और वित्तीय योजना निर्माण ज्यादा सुगम और सुविधाजनक हो गया है।

कराधान का सरलीकरण- सरकार ने जुलाई, 2024 में आयकर अधिनियम, 1961 की विस्तृत समीक्षा की घोषणा की। इस समीक्षा को रिकॉर्ड समय में पूरा कर लिया गया। आयकर अधिनियम, 2025 अप्रैल 2026 में लागू हो गया। इन कर सुधारों से मध्य वर्ग पर वित्तीय बोझ में उल्लेखनीय कमी आई है। वर्ष 2014 में 2.5 लाख रुपए तक वार्षिक आमदनी वाले व्यक्तियों को कर नहीं देना पड़ता था। वर्ष 2023 में शुरू की गई नई कर व्यवस्था के अंतर्गत अब 12 लाख रुपए वार्षिक आमदनी (वेतनभोगी व्यक्तियों के लिए मानक कटौती के साथ 12.75 लाख रुपए) तक कोई कर नहीं देना होता है। इससे व्यक्तियों की बचत, खर्च योग्य आमदनी और वित्तीय विकल्पों में बढ़ोतरी हुई है। माल और सेवा कर (जीएसटी)- जुलाई 2017 में लागू किया गया जीएसटी भारत का स्वतंत्रता के बाद का सबसे महत्वपूर्ण परोक्ष कर सुधार है। इसने विभिन्न केंद्रीय और राज्यीय करों को एक प्रणाली में समेट कर साझा राष्ट्रीय बाजार को जन्म दिया है। जीएसटी ने करों का सरलीकरण कर और रोजमर्रा के खर्चों में कमी लाकर खास तौर से मध्य वर्ग को कई स्पष्ट लाभ प्रदान किए हैं। अनिवार्य वस्तुओं के लिए कम दर और युक्तिसंगत स्लैब से रोजमर्रा का उपभोग ज्यादा किफायती हो गया है।

प्रकाशक एवं स्वामी सागर सूरज, द्वारा सरोतर निवास, राजाबाजार-कचहरी रोड, मोतिहारी, बिहार-845401 से प्रकाशित व प्रकाश प्रेस मोतिहारी से मुद्रित, संपादक-सागर सूरज* फोन न.9470050309 प्रसारः-9931408109 ईमेलः-bordernewsmirror@gmail.com वेबसाइटः-bordernewsmirror.com (*पीआरबी अधिनियम के तहत खबरों के चयन के लिए जिम्मेवार) RNI. N. BIHBIL/2022/88070

फीफा विश्व कप 2026: लारिन के देर से किए गोल ने कनाडा को हार से बचाया, बोस्निया से 1-1 की बराबरी

एजेंसी, नई दिल्ली

विश्व कप 2026 के ग्रुप-बी मुकाबले में शुक्रवार को सह-मेजबान कनाडा ने आखिरी समय तक संघर्ष करते हुए बोस्निया और हर्जेगोविना के खिलाफ 1-1 से ड्रॉ खेल लिया। मुकाबले में कनाडा लंबे समय तक हार की ओर बढ़ता दिखाई दे रहा था, लेकिन विकल्प खिलाड़ी के रूप में उतरे काइल लारिन ने टीम को अहम अंक दिला दिया। कनाडा इस मुकाबले में अपने कप्तान अल्फोंसो डेविस के बिना उतरा, जो हैमस्ट्रिंग चोट से उबर रहे हैं। बोस्निया ने मैच के 21वें मिनट में बढ़त बनाई। कॉर्नर से आए गेंद पर जोवो लुकिच ने शानदार फिनिश करते हुए अंतरराष्ट्रीय करियर का अपना पहला गोल दागा और टीम को 1-0 से आगे कर दिया।

दूसरे हाफ में कनाडा ने लगातार आक्रमण किए और 53वें मिनट में बराबरी का सुनहरा मौका मिला, लेकिन रिची लारिया का शॉट बोस्निया के डिफेंडर सीड कोलासिनाक ने गोल लाइन के पास शानदार तरीके से रोक दिया। इसके बाद कनाडा ने लगातार दबाव बनाए रखा, लेकिन गोल के सामने सटीकता की कमी दिखी और बोस्निया की टीम बढ़त बचाने में सफल नजर आने लगी। हालांकि 76वें मिनट में मैदान पर आए काइल लारिन ने मैच का रुख बदल दिया। मैदान में आने के तीन मिनट बाद ही उन्होंने बॉक्स के अंदर घूमकर जोरदार शॉट लगाया, जो डिफ्लेक्शन लेकर गोल में बदल गया और कनाडा ने 1-1 की बराबरी कर ली। स्टॉपेज टाइम के अंतिम मिनटों में कनाडा के पास जीत का मौका भी आया। रिची लारिया ने गेंद लारिन तक पहुंचाई, लेकिन बोस्निया के डिफेंडर तारिक मुहरेमोविच ने शानदार बचाव करते हुए गोल नहीं होने दिया। इस ड्रॉ के साथ कनाडा ने विश्व कप अभियान की शुरुआत एक अंक के साथ की, जबकि बोस्निया जीत के बेहद करीब पहुंचकर भी तीन अंक हासिल नहीं कर सका।

बलोगुन के दो गोल से अमेरिका ने पैराग्वे को 4-1 से हराया

एजेंसी, कैलिफोर्निया

फीफा विश्व कप 2026 के ग्रुप-डी मुकाबले में सह-मेजबान अमेरिका ने दमदार प्रदर्शन करते हुए शनिवार को पैराग्वे को 4-1 से हराकर टूर्नामेंट में विजयी शुरुआत की। कैलिफोर्निया के सोफी स्टेडियम में खेले गए मुकाबले में स्ट्राइकर फोलारिन बलोगुन ने दो गोल दागकर जीत में अहम भूमिका निभाई। अमेरिका ने मैच की शुरुआत से ही आक्रामक खेल दिखाया और सातवें मिनट में बढ़त हासिल कर ली। पैराग्वे के मिडफील्डर डेमियन बोबाडिला ने गेंद को रोकने की कोशिश में गलती से अपने ही गोल में पहुंचा दिया, जिससे अमेरिका को शुरुआती बढ़त मिल गई।

पहले गोल के बाद अमेरिकी टीम ने लगातार दबाव बनाए रखा। पैराग्वे की रक्षा पंक्ति अमेरिकी हमलों के सामने बिखरती नजर आई और इसका फायदा उठाते हुए फोलारिन बलोगुन ने पहले हाफ में दो गोल कर अमेरिका को 3-0 की मजबूत बढ़त दिला दी। दूसरे हाफ की शुरुआत में अमेरिका के स्टार खिलाड़ी क्रिस्टियन पुलिसिक को कोच मॉरिसियो पोचेटिनो ने आराम दिया। इसके बाद टीम अतिरिक्त गोल नहीं कर सकी, लेकिन मैच पर नियंत्रण बनाए रखा। पैराग्वे की ओर से स्थानापन्न खिलाड़ी मॉरिसियो ने 74वें मिनट में एक गोल कर अंतर कम किया, लेकिन टीम वापसी नहीं कर सकी। मैच के अंतिम क्षणों में जियोवानी रेयना ने चौथा गोल कर अमेरिका की 4-1 की बड़ी जीत सुनिश्चित कर दी। इस जीत के साथ अमेरिका अस्थायी रूप से ग्रुप-डी में शीर्ष स्थान पर पहुंच गया है। अब समूह का दूसरा मुकाबला तुर्किये और ऑस्ट्रेलिया के बीच खेला जाएगा।

तेजस शिर्से ने बनाया नया राष्ट्रीय रिकॉर्ड, राष्ट्रमंडल खेलों के लिए किया क्वालीफाई

एजेंसी, लुधियाना

भारत के उभरते एथलीट तेजस शिर्से ने शनिवार को पंजाब के गुरु नानक स्टेडियम में आयोजित इंडियन एथलेटिक्स सीरीज-9 में पुरुषों की 110 मीटर बाधा दौड़ में नया राष्ट्रीय रिकॉर्ड बनाकर इतिहास रच दिया। 24 वर्षीय तेजस ने यह रेस 13.27 सेकंड में पूरी की और अपना ही पुराना राष्ट्रीय रिकॉर्ड तोड़ दिया। इससे पहले उन्होंने वर्ष 2024 में 13.41 सेकंड का राष्ट्रीय रिकॉर्ड बनाया था। तेजस का यह प्रदर्शन इस सत्र में एशियाई खिलाड़ियों के बीच पुरुष 110 मीटर बाधा दौड़ का छठा सबसे तेज समय भी बन गया है। इस शानदार प्रदर्शन के साथ तेजस ने इसी वर्ष होने वाले राष्ट्रमंडल खेलों के लिए भी क्वालीफाई कर लिया है। तेजस इससे पहले एशियाई खेलों के लिए भी अपना स्थान पक्का कर चुके हैं। उन्होंने पिछले महीने चेन्नई के जवाहरलाल नेहरू स्टेडियम में आयोजित इंडियन एथलेटिक्स सीरीज-6 में स्वर्ण पदक जीतकर एशियाई खेलों का टिकट हासिल किया था। लगातार बेहतर प्रदर्शन कर रहे तेजस शिर्से अब भारतीय एथलेटिक्स के सबसे मजबूत दावेदारों में गिने जा रहे हैं और आने वाले बड़े अंतरराष्ट्रीय मंचों पर उनसे पदक की उम्मीदें बढ़ गई हैं।

छोले-कुलचे की रेहड़ी से टीम इंडिया तक पहुंचा अर्जुन

एजेंसी, जालंधर। दृढ़ संकल्प, कड़ी मेहनत और परिवार के सहयोग के दम पर जालंधर के युवा क्रिकेटर अर्जुन राजपूत ने वह उपलब्धि हासिल की है, जिसका सपना लाखों खिलाड़ी देखते हैं। शहर के राम नगर क्षेत्र में छोले-कुलचे की रेहड़ी लगाने वाले होती राम के बेटे अर्जुन का चयन भारतीय अंडर-19 क्रिकेट टीम में हुआ है। आगामी 4 जुलाई को भारतीय टीम श्रीलंका दौरे के लिए रवाना होगी, जहां अर्जुन पहली बार देश की नीली जर्सी पहनकर मैदान में उतरेंगे। उनके चयन से पूरे परिवार और इलाके में खुशी का माहौल है। बाएं हाथ के बल्लेबाज और दाएं हाथ के ऑफ स्पिन गेंदबाज अर्जुन ने बेहद साधारण परिस्थितियों में अपने क्रिकेट करियर की शुरुआत की थी। उन्होंने क्रिकेट की बारीकियां हरभजन सिंह क्रिकेट अकादमी में सीखीं और लगातार मेहनत के बल पर राष्ट्रीय स्तर तक का सफर तय किया। इस दौरान उनके कोच विक्रम सिद्धू ने भी उन्हें हर कदम पर मार्गदर्शन और प्रोत्साहन दिया। भारतीय टीम में चयन होने के बाद अर्जुन ने कहा कि उन्होंने आठ-नौ वर्ष की उम्र से क्रिकेट खेलना शुरू किया था और आज यह उपलब्धि हासिल कर बेहद गर्व महसूस कर रहे हैं।

फीफा विश्वकप 2026 : इंग्लैंड टीम का सामान चोरी होने से सुरक्षा इंतजामों की पोल खुली

एजेंसी, कंसास सिटी

अमेरिका, मैक्सिको और कनाडा में शुरु हुए फीफा विश्वकप फुटबॉल मुकाबलों की शुरुआत में ही कमजोर सुरक्षा इंतजामों की पोल खुल गयी है। यहां अमेरिका की कंसास सिटी में अभ्यास सत्र के दौरान ही इंग्लैंड फुटबॉल टीम को एक बड़ा झटका लगा है। टीम के खिलाड़ियों के जूते और जर्सियां चोरी हो गईं, जिससे सुरक्षा व्यवस्था पर गंभीर सवाल उठ खड़े हुए हैं। एक रिपोर्ट के अनुसार, यह घटना तब हुई जब खिलाड़ियों का सामान फ्लोरिडा के वेस्ट पाम बीच से मिसूरी में स्वोप सॉकर विलेज बेस की ओर एक वैन में ले जाया जा रहा था। तभी चोरों ने वैन को निशाना बनाया और टीम कई सामान गायब कर दिये। वहीं टीम मैनेजमेंट अब इस बात को लेकर परेशान है किखिलाड़ियों के पास आने वाले मैचों और अभ्यास सत्रों के लिए पर्याप्त उपकरण हैं या नहीं। वैन में सिर्फ एक फुटबॉल बची थी, जबकि बाकी सभी चीजें, जिनमें टीम के स्टार खिलाड़ी हैरी केन और जूड बेलिंगहम जैसे दिग्गजों के विशेष मैच जूते भी शामिल थे, गायब थे। ऐसे में टीम के लिए अचानक नए उपकरण लेना और खिलाड़ियों को उनसे सहज महसूस कराना एक बड़ी चुनौती होगी। इंग्लैंड का पहला मैच क्रोएशिया के खिलाफ होना है, और तैयारी के अंतिम चरण में हुई इस चोरी से टीम की रणनीति पर भी विपरीत प्रभाव पड़ा है। विदेशी धरती पर विश्व कप अभियान की शुरुआत से पहले इस तरह की घटना से खिलाड़ियों की मानसिक भी प्रभावित होती है।

बिजनेस

भारत-जर्मनी विकास सहयोग को मजबूत करने के लिए नई दिल्ली में हुई अहम बैठक

एजेंसी, नई दिल्ली

नीति आयोग और जर्मनी के एक प्रतिनिधिमंडल के बीच नई दिल्ली में भारत-जर्मनी विकास सहयोग को मजबूत करने के लिए अहम बैठक हुई। नीति आयोग ने शनिवार को एक्स पर एक पोस्ट में बताया कि इस बैठक की अध्यक्षता नीति आयोग के अर्थशास्त्र और वित्त कार्यक्रम निदेशक संजीत सिंह ने की और जर्मन पक्ष का नेतृत्व संघीय आर्थिक सहयोग और विकास मंत्रालय (बीएमजेड) की एशिया और दक्षिण एशिया नीति मामलों की डिवीजन प्रमुख बारबरा शेफर ने किया।

इससे पहले नीति आयोग ने भारत-जर्मनी विकास साझेदारी को आगे बढ़ाने के लिए एक खास द्विपक्षीय चर्चा के लिए जर्मनी के एक उच्चस्तरीय प्रतिनिधिमंडल का स्वागत किया। बैठक में स्वच्छ ऊर्जा, पर्यावरण संरक्षण, टिकाऊ विकास, कृषि सुधार, जल प्रबंधन और हरित अर्थव्यवस्था में छोटे और मध्यम उद्योगों की भागीदारी जैसे मुद्दों पर चर्चा की गई। इस दौरान दोनों पक्षों ने जलवायु परिवर्तन से निपटने और सतत विकास के लिए आपसी सहयोग बढ़ाने पर भी जोर दिया।

आयोग के अनुसार चर्चा में सहयोग के मुख्य क्षेत्रों को शामिल किया गया, जिनमें भारत का नेट जीरो ट्रांज़िशन, नवीकरणीय ऊर्जा, सर्कुलर इकोनॉमी, पीपीपी के जरिए टिकाऊ बुनियादी ढांचा, कृषि में बदलाव, जल संसाधन प्रबंधन, ग्रीन इकोनॉमी में एसएमई की भागीदारी और जीएसडीपी प्रतिबद्धताओं के साथ द्विपक्षीय वित्तपोषण का तालमेल शामिल था।

दोनों पक्षों ने जर्मनी की तकनीकी विशेषज्ञता और विकास वित्त क्षमताओं तथा भारत की नीतिगत महत्वाकांक्षा और संस्थागत पैमाने के बीच आपसी पूरकता पर जोर दिया। इन चर्चाओं में बुनियादी ढांचे के वित्त पोषण में सहयोग को मज़बूत करने और भारत के जलवायु और नियामक ढांचे में वैश्विक निवेशकों का भरोसा बढ़ाने पर विचार किया गया। इस बैठक का समापन निरंतर बातचीत और सहयोग के माध्यम से भारत-जर्मनी विकास साझेदारी को और गहरा करने की साझा प्रतिबद्धता के साथ हुआ।

डीआरआई ने 14 करोड़ रुपये की 71 लाख विदेशी सिगरेट स्टिक जब्त की, चार गिरफ्तार

एजेंसी, नई दिल्ली

राजस्व खुफिया निदेशालय (डीआरआई) ने पूर्वोत्तर क्षेत्र में तस्करी से लाई गई 14 करोड़ रुपये मूल्य की 71 लाख विदेशी सिगरेट स्टिक जब्त किया, जबकि चार लोगों को गिरफ्तार किया है। वित्त मंत्रालय ने शुक्रवार को जारी बयान में बताया कि राजस्व खुफिया निदेशालय ने विदेशी सिगरेट की तस्करी के विरूद्ध बड़ी कार्रवाई में पूर्वोत्तर क्षेत्र में कई समन्वित अभियान चलाए हैं। डीआरआई के पूर्वोत्तर क्षेत्र में मई 2026 से चलाए गए अभियानों में तस्करी से लाए गए विदेशी मूल की 71 लाख सिगरेट स्टिक जब्त की गई है, जिनका कुल मूल्य करीब 14 करोड़ रुपये है। इस सिलसिले में चार लोगों को गिरफ्तार किया गया है। मंत्रालय के मुताबिक डीआरआई ने प्रमुख अभियानों में 11 जून को मिजोरम में मोंड, एक्ससो, ओआरआईएस और पैट्रॉन जैसे ब्रांडों की 45 लाख से अधिक विदेशी सिगरेट जब्त किए। यह अभियान असम राइफल्स की 34वीं बटालियन की सहायता से चलाया गया। इस मामले में एक व्यक्ति को गिरफ्तार किया गया है।

मैगी में संक्रमण के आरोप गलत, जांच में सही पाए गए सभी उत्पादः नेस्ले इंडिया

एजेंसी, नई दिल्ली

नेस्ले इंडिया ने मैगी नूडल्स में कीड़ों की मौजूदगी को लेकर लगाए गए आरोपों को खारिज कर दिया है। कंपनी ने कहा कि प्रयोगशाला परीक्षणों में सभी उत्पाद गुणवत्ता और खाद्य सुरक्षा मानकों पर खरे पाए गए हैं।

रोजमर्रा के उपभोक्ता उत्पाद (एफएमसीजी) क्षेत्र की प्रमुख कंपनी ने शनिवार को शेयर बाजारों को दिए गए स्पष्टीकरण में कहा कि सोशल मीडिया मंच एक्स पर एक असत्यापित खाते द्वारा उठाई गई चिंता के बाद उसे यह शिकायत भारतीय खाद्य सुरक्षा एवं मानक प्राधिकरण (एफएसएसएआई) के माध्यम से मिली।

नेस्ले इंडिया ने 12 जून को छपी एक खबर के बारे में एनएसई और बीएसई के सवालों के जवाब में यह सफाई दी है। कंपनी ने कहा, "हम मीडिया में चल रहे उन आरोपों को पूरी तरह खारिज करते हैं जो मैगी नूडल्स में कीड़े होने के बारे में एक बिना पुष्टि वाले दावे पर आधारित हैं।"

कंपनी ने कहा कि स्वतंत्र लैब टेस्ट और बैच एवं मार्केट सैंपल की क्वालिटी जांच से पुष्टि हुई है कि ये प्रोडक्ट सभी फूड सेफ्टी और क्वालिटी स्टैंडर्ड्स को पूरा करते हैं।

कंपनी ने बताया कि उसे जांच के लिए शिकायतकर्ता से अभी तक कोई सैंपल नहीं मिला है और उस व्यक्ति से संपर्क करने की कोशिशें नाकाम रहीं क्योंकि सोशल मीडिया अकाउंट तक पहुंचा नहीं जा सका।

गौरतलब है कि सोशल मीडिया पर मैगी नूडल्स में कीड़े-मकोड़े होने के शिकायत के बाद भारतीय खाद्य सुरक्षा एवं मानक प्राधिकरण ने नेस्ले इंडिया को नोटिस जारी कर जवाब मांगा था।

बॉम्बे कोटेड और स्वराज ग्रीन पावर को आईपीओ के लिए सेबी की मंजूरी

एजेंसी, नई दिल्ली

बॉम्बे कोटेड एंड स्पेशल स्टील्स लिमिटेड एवं स्वराज ग्रीन पावर एंड फ्यूल लिमिटेड को अपने आरंभिक सार्वजनिक निर्गम(आईपीओ) के जरिए पूंजी जुटाने के लिए भारतीय प्रतिभूति एवं विनिमय बोर्ड (सेबी) की मंजूरी मिल गई है। इनके शेयर बीएसई और एनएसई पर सूचीबद्ध के लिए प्रस्तावित हैं। पूंजी बाजार नियामक सेबी ने शुक्रवार को यह जानकारी दी। सेबी के मुताबिक बॉम्बे कोटेड एंड स्पेशल स्टील्स लिमिटेड ने जनवरी 2026 में और स्वराज ग्रीन पावर एंड फ्यूल लिमिटेड ने मार्च में भारतीय प्रतिभूति एवं विनिमय बोर्ड (सेबी) के समक्ष अपने आईपीओ दस्तावेज दाखिल किए थे। इन दोंनो कंपनियों को 11–12 जून के दौरान सेबी से आरंभिक सार्वजनिक निर्गम लाने की मंजूरी मिली है। मुंबई की कंपनी बॉम्बे कोटेड एंड स्पेशल स्टील्स लिमिटेड को पूंजी बाजार नियामक भारतीय प्रतिभूति एवं विनिमय बोर्ड से अपने आरंभिक सार्वजनिक निर्गम(आईपीओ) के लिए फाइनल मंज़ूरी मिल गई है। कंपनी ने 28 जनवरी, 2026 को सेबी के समक्ष अपने आईपीओ लाने के कागजात जमा किए थे। बॉम्बे कोटेड का प्रस्तावित यह आईपीओ 191 करोड़ रुपये तक का फ्रेश इश्यू है। बॉम्बे कोटेड एंड स्पेशल स्टील्स लिमिटेड 2019 में बनी कंपनी एक स्टील प्रोसेसिंग सेंटर है, जो स्टील कॉइल्स को वैल्यू-एडेड प्रोसेस्ड स्टील प्रोडक्ट्स में बदलने का काम करती है। इसकी मुख्य क्षमताओं में स्टील कॉइल्स की प्रिसिजन स्लिटिंग, कट-टू-लेंथ प्रोसेसिंग, शियरिंग और एम्बॉसिंग शामिल है। स्वराज ग्रीन पावर एंड फ्यूल लिमिटेड कंपनी ने 16 मार्च, 2026 को पूंजी बाजार नियामक भारतीय प्रतिभूति एवं विनिमय बोर्ड के समक्ष अपने आरंभिक सार्वजनिक निर्गम (आईपीओ) के लिए ड्राफ्ट पेपर गोपनीय रूप से जमा किए। कंपनी के प्रस्तावित पब्लिक इश्यू में इक्विटी शेयरों का नया इश्यू और 'ऑफर फॉर सेल' (ओएफएस) दोनों शामिल हैं। सेंट्रम कैपिटल लिमिटेड इस इश्यू के लिए बुक रनिंग लीड मैनेजर(बीआरएलएम) में से एक है। स्वराज ग्रीन पावर एंड फ्यूल लिमिटेड एक एकीकृत ईथेनॉल उत्पादन और चीनी विनिर्माण कंपनी है, जो महाराष्ट्र के सातारा में स्थित है।

विदेशी मुद्रा भंडार 71.1 करोड़ डॉलर घटकर 681.61 अरब डॉलर पर

एजेंसी, नई दिल्ली

पश्चिम एशिया में जारी संकट के बीच आर्थिक मोंचे पर झटका लगने वाली खबर है। लगातार तीसरे हफ्ते विदेशी मुद्रा भंडार में गिरावट दर्ज हुई है। देश का विदेशी मुद्रा भंडार पांच जून को समाप्त हफ्ते में 71.1 करोड़ डॉलर घटकर 681.61 अरब डॉलर रह गया। रिजर्व बैंक ऑफ इंडिया (आरबीआई) ने शुक्रवार को जारी आंकड़ों में बताया कि पांच जून को समाप्त हफ्ते में देश का विदेशी मुद्रा भंडार घटकर 681.61 अरब डॉलर रहा है। इससे पिछले सप्ताह विदेशी मुद्रा भंडार 93.8 करोड़ डॉलर बढ़कर 682.32 अरब डॉलर रहा था। आरबीआई आंकड़ों के मुताबिक पांच जून को समाप्त हफ्ते में विदेशी मुद्रा भंडार का प्रमुख हिस्सा विदेशी मुद्रा आस्तियां (एफसीए) 270.4 करोड़ डॉलर घटकर 543.44 अरब डॉलर रह गईं। हालांकि, इस दौरान स्वर्ण भंडार का मूल्य 1.97 अरब डॉलर बढ़कर 114.57 अरब डॉलर पर पहुंच गया। आरबीआई ने बताया कि इस अवधि में विशेष आहरण अधिकार (एसडीआर) 1.8 करोड़ डॉलर बढ़कर 18.76 अरब डॉलर हो गया। वहीं, अंतरराष्ट्रीय मुद्रा कोष (आईएमएफ) के पास भारत की आरक्षित कोष की स्थिति 4.826 अरब डॉलर रही है। उल्लेखनीय है कि इससे पहले देश का विदेशी मुद्रा भंडार 27 फरवरी, 2026 को समाप्त हफ्ते में 728.49 अरब डॉलर के सर्वकालिक उच्चतम स्तर पर पहुंच गया था। डॉलर के संदर्भ में विदेशी मुद्रा आस्तियों में यूरो, पाउंड और येन जैसी गैर-अमेरिकी मुद्राओं के मूल्य में उतार-चढ़ाव का प्रभाव भी शामिल होता है।

फिल्म

अभिनेत्री नियति फातनानी का खुलासा, खतरों के खिलाड़ी के प्रोमो के बाद हुई थी ट्रोलिंग

अभिनेत्री नियति फातनानी ने कहा है कि रियलिटी शो के दौर में कई बार मशहूर हस्तियों की बातों को संदर्भ से अलग करके देखा और परखा जाता है। फातनानी ने खतरों के खिलाड़ी के दौरान अपने अनुभव का जिक्र करते हुए बताया कि एक प्रोमो जारी होने के बाद उन्हें काफी ट्रोलिंग का सामना करना पड़ा था। हालांकि, पूरा एपिसोड प्रसारित होने के बाद लोगों को वास्तविक स्थिति समझ में आई और उन्होंने उनका समर्थन किया। फातनानी ने अपने अनुभव का उदाहरण देते हुए कहा, खतरों के खिलाड़ी के दौरान जब एक प्रोमो रिलीज हुआ था, तब मुझे प्रशंसकों की ओर से काफी आलोचना झेलनी पड़ी। हालांकि, जो लोग मुझे जानते थे, उन्हें पूरा भरोसा था कि मैं कभी कुछ गलत नहीं करूंगी। एपिसोड प्रसारित होने के बाद सभी को सच्चाई पता चल गई और उन्होंने मेरा समर्थन किया। दरअसल, उस व्यक्ति को शो से बाहर कर दिया गया था। अभिनेत्री ने कहा, प्रशंसक अपने पसंदीदा कलाकारों के प्रति बेहद भावुक होते हैं और यह एक सेलिब्रिटी होने का स्वाभाविक हिस्सा है। सोशल मीडिया के दौर में प्रतिभा और दृश्यता में कौन अधिक महत्वपूर्ण है, इस सवाल पर फातनानी ने कहा कि दोनों पूरी तरह अलग-अलग चीजें हैं। उन्होंने कहा, अगर कोई कलाकार प्रतिभाशाली है और अच्छा प्रदर्शन कर सकता है, तो निर्देशक और निर्माता उसे भूमिका के लिए चुनेंगे। दूसरी ओर, व्यावसायिक नजरिए से यदि किसी परियोजना को दृश्यता से फायदा मिलता है, तो प्रभावशाली सोशल मीडिया हस्तियों को भी कास्ट किया जा सकता है। सोशल मीडिया आज मनोरंजन उद्योग का एक महत्वपूर्ण हिस्सा बन चुका है। जब उनसे पूछा गया कि क्या उन्होंने कभी सोशल मीडिया पर अपने रिश्ते को छिपाने का दबाव महसूस किया है, तो उन्होंने इससे इनकार किया। उन्होंने कहा, मुझे लगता है कि यह रिश्ते में शामिल लोगों पर निर्भर करता है। यदि दोनों साथी सहज हैं, तो बाकी किसी बात का कोई खास महत्व नहीं रह जाता।

टीवी एक्ट्रेस ईवा ग्रोवर ने अपनी जिद से की हैदर से शादी, चौथे दिन ही हुआ गलती का अहसास

टीवी एक्ट्रेस ईवा ग्रोवर ने आमिर के सौतेले भाई हैदर से शादी रचाई थी। परिवार के खिलाफ जाकर ईवा ने घर बसाया, लेकिन जल्द ही उनका तलाक हो गया। ये शादी एक्ट्रेस के लिए खुशी नहीं थी। एक पॉडकास्ट में ईवा ने कहा कि हैदर बहुत गुस्से वाले थे। जब मैं 15-16 साल की थी, तो मुझ पर शादी का भूत सवार था। मैंने शादी के लिए 16 सोमवार के व्रत किए। शादी और बच्चे मेरा सपना था। मैं शादी के बाद एक फिल्मी लाइफ सोच रही थी, लेकिन हकीकत इससे बिल्कुल अलग थी। मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक ईवा ने कहा कि जब वह 27 साल की थी, तो हैदर से शादी की थी। उन्हें सिर्फ 18 दिन डेट किया था। शादी के चौथे दिन उन्हें पता चला कि ये शख्स मेरे लिए नहीं है। हैदर वो इंसान नहीं थे, जैसा मैंने सोचा था। पहले मैं कहती थी कि वो गलत थे, लेकिन अब मैं सारा दोष उन पर नहीं दे सकती। शायद शादी में मेरी गलती भी रही है। वो दूसरे धर्म से थे। मम्मी और परिवार वालों ने मना किया, लेकिन मैंने घर से भागकर उनसे शादी रचा ली। उस समय मैं अपने करियर के पीक पर थी। ईवा कहती हैं कि शादी के बाद मुझे एहसास हुआ

कि गलती हो गई। एक गलत इंसान से शादी कर ली है। वो बहुत गुस्सैल था। मेरे साथ मारपीट करता था। एक्ट्रेस कहती हैं कि मारपीट होने के बावजूद उन्होंने कुछ सालों तक शादी निभाई, ये सोचकर कि शायद चीजें बेहतर हों, लेकिन ऐसा नहीं हुआ। उस वक्त मैं हालात और खुद को दोष देती थी। शादी के चार साल मैंने ये सोच कर बच्चा पैदा किया कि शायद चीजें बेहतर हो जाएं, लेकिन नहीं हुईं। हमारे देश में कई लोग सोचते हैं कि बच्चा करने के बाद शादी बच जाएगी, लेकिन कई जगहों पर ये चीज काम नहीं करती है। उन्होंने बताया कि बेटी के जन्म के एक महीने बाद चीजें और बदतर हो गईं। मैंने टेंशन में रहने लगी। उस वक्त मैं वक्त बताएगा कौन अपना कौन पराया की शूटिंग कर रही थी। मेरे साथियों ने मेरा डिप्रेशन देखा। वह मेरे घर आए और मेरी मम्मी से बात की। उन्होंने कहा कि इसे इस रिश्ते बाहर निकलना होगा। उनके मोटिवेशन के बाद ही मैं हैदर को छोड़ पाई। ईवा ने कहा कि आमिर के पिता ताहिर हुसैन बहुत अच्छे इंसान थे। बेटे हैदर की हरकत पर वो कई बार रोए भी। एक्ट्रेस ने कहा कि उनकी सास शहनाज भी नेक दिल महिला थीं। बता दें आमिर खान के पिता ताहिर हुसैन ने दो शादियां की थीं। उनकी पहली शादी जीनत हुसैन से हुई थी, जिनसे उन्हें चार बच्चे आमिर खान, फैसल खान, फरहत खान और निखत खान हुए। उनकी दूसरी शादी शहनाज हुसैन हुई, जिससे उन्हें बेटा हैदर हुआ था।

बेटी पलक ने की तस्वीरें शेयर, मां श्वेता के सामने बेटी का लुक पड़ा फीका

पलक तिवारी में स्टाइल के मामले में अपनी मां श्वेता तिवारी की ही झलक दिखाती हैं। बढ़ती उम्र के साथ श्वेता का फैशन सेंस और भी ज्यादा ग्लैमरस हो गया है, जिससे कई बार उनके सामने बेटी पलक का ग्लैमर भी फीका नजर आता है। हाल ही में पलक ने मिनी ड्रेस में अपना बेहद आकर्षक और बोल्ड लुक शेयर किया, जिसने सभी का ध्यान खींचा। वहीं दूसरी तरफ श्वेता तिवारी ने जीन्स में अपना कैजुअल लेकिन बेहद स्टाइलिश अंदाज दिखाया और एक बार फिर साबित कर दिया कि उम्र उनके फैशन पर कोई असर नहीं डालती। रिपोर्ट के मुताबिक दोनों मां-बेटी ने अपनी-अपनी तस्वीरें शेयर की, जिसमें वे अलग-अलग लोकेशंस पर अपने अलग-अलग अंदाज में नजर आईं और फैंस को उनका स्टाइल खूब पसंद आया। बता दें हाल ही में श्वेता अपने बेटे के साथ जापान में घूम रही हैं और उन्होंने सोशल मीडिया पर इसकी फोटोज शेयर की है। श्वेता ने इस बार बेहद सिंपल लेकिन स्टाइलिश कैजुअल लुक अपनाया है। उन्होंने बेज रंग की ग्राफ़िक्स टी-शर्ट पहनी है, जिसे उन्होंने हाई-वैस्ट डार्क ब्राउन ट्रॉउज़र के साथ स्टाइल किया है। उनका वाइड-लेग ट्रॉउज़र फिटेड टॉप के साथ अच्छा बैलेंस बनाता है जबकि हलके रंग की टी-शर्ट

और डार्क पेंट्स का कॉम्बिनेशन लुक को और भी आकर्षक बना रहा है। फ्लोई ट्राउजर उनके पूरे ऑउटफिट को न सिर्फ आरामदायक बनाता है बल्कि इसमें एक एलिगेंट टच भी जोड़ता है। श्वेता तिवारी ने बहुत ही सिंपल लुक केरी किया है। उनके छोटे से गोल्डन हुप्स, हाथ में घड़ी और ब्लू स्पोर्ट्स शू उनके लुक को और भी ज्यादा क्लासी और कूल बना रहे हैं।

'मिर्जापुर : द मूवी' एक बहुत बड़ा सिनेमैटिक फेनोमेनन फिल्म होगी

डिजिटल दुनिया में तहलका मचाने और एक फैन फॉलोइंग बनाने के बाद, अब मिर्जापुर फ्रेंचाइजी मिर्जापुरः द मूवी के साथ बड़े पर्दे पर अपना ग्रैंड लीप लेने के लिए पूरी तरह तैयार है। सिर्फ इस अनाउंसमेंट ने ही दर्शकों के बीच जबरदस्त एक्साइटमेंट पैदा कर दी है। बड़े स्केल, डार्कर नैरेटिव और एक असली सिनेमैटिक एक्सपीरियंस का वादा करते हुए, यह फिल्म मिर्जापुर की उस रॉ इंटेंसिटी और हाई-स्टेक्स ड्रामा को थिएटर्स में इस तरह लाने के लिए तैयार है जैसा पहले कभी नहीं देखा गया। इस एक्साइटमेंट के बीच, रसिका दुगल से मिर्जापुरः द मूवी के बारे में पूछा गया कि आप बताएंगी यह फिल्म कैसी होगी? तो दुगल ने कहा फिल्म में स्केल है।

इसमें वो ग्रिटी डिटेल्स भी हैं जो सीरीज में थीं, लेकिन साथ ही इसमें बड़े पर्दे के सिनेमा का स्केल भी है। यह फिल्म वाकई में देखने के लिए एक बहुत बड़ा सिनेमैटिक फेनोमेनन होने वाली है, क्योंकि मिर्जापुरः द मूवी बड़े पर्दे पर आने वाली सबसे बड़ी फिल्मों में से एक बनने वाली है।

यह प्रोजेक्ट हाल के दिनों के सबसे एम्बिशियस अडेप्टेशंस में से एक के रूप में आकार ले रहा है। इस फिल्म को गुरमीत सिंह डायरेक्ट करेंगे और पुनीत कृष्णा ने इसे लिखा है। इसमें शीबा चड्ढा, रवि किशन, अली फजल, पंकज त्रिपाठी, दिव्येंदु और कई अन्य कलाकार नज़र आएंगे। इसे एक्सेल एंटरटेनमेंट के बैनर तले रितेश सिधवानी और फरहान अख्तर प्रोड्यूस कर रहे हैं और कासिम जगमागिया और विशाल रामचंदानी इसके को-प्रोड्यूसर्स हैं।

बालों के झड़ने का कारण बन सकती हैं ये 5 गलतियां

बालों के झड़ने की समस्या से हर कोई परेशान है। इसके पीछे कई कारण हो सकते हैं, जिनमें बालों की देखभाल से जुड़ी गलतियां शामिल हैं। अक्सर लोग अपने बालों की देखभाल करते समय कुछ ऐसी गलतियां कर बैठते हैं, जिनसे बालों की जड़ें कमजोर हो जाती हैं और बाल झड़ने लगते हैं। आइए आज हम आपको बालों की देखभाल से जुड़ी ऐसी गलतियों के बारे में बताते हैं, जो बालों के झड़ने का कारण बन सकती हैं। अगर आप उन लोगों में से हैं, जो रोजाना अपने सिर पर शैंपू करते हैं तो यह बालों की देखभाल से जुड़ी सबसे बड़ी गलती है। रोजाना शैंपू करने से सिर का प्राकृतिक तेल खत्म हो जाता है, जिससे बालों की जड़ें कमजोर होने लगती हैं और बाल टूटने लगते हैं। बेहतर होगा कि आप हफ्ते में 2-3 बार ही अपने सिर पर शैंपू करें। इससे बालों की सेहत बनी रहती है और वे मजबूत बनते हैं।

गीले बालों पर कंघी करना भी बालों के झड़ने का एक कारण हो सकता है। दरअसल, गीले बाल कमजोर होते हैं और उन पर ज्यादा दबाव पड़ने से वे टूट सकते हैं। इसलिए गीले बालों पर कंघी करने से बचना चाहिए। इसके बजाय आप गीले बालों को सूखे तौलिये से हल्के हाथों से थपथपा सकते हैं। इसके बाद जब बाल थोड़े सूख जाएं तब ही कंघी करें, इससे बाल टूटने की संभावना कम हो जाएगी।

बालों की देखभाल के लिए कंडीशनर का इस्तेमाल करना जरूरी है, लेकिन इसे गलत तरीके से इस्तेमाल करने पर बालों को नुकसान भी पहुंच सकता है। कई लोग पूरे सिर पर कंडीशनर लगा लेते हैं, जबकि इसे सिर्फ बालों की लंबाई पर लगाना चाहिए। इसके अलावा सिर की जड़ों पर कंडीशनर लगाने से सिर की त्वचा चिपचिपी हो जाती है, जिससे बाल झड़ने की संभावना बढ़ जाती है। ऐसी गलतियों से बचकर बालों को स्वस्थ रखा जा सकता है।

गर्म पानी से सिर धोना भी एक बड़ी गलती है। गर्म पानी बालों की नमी को छीन लेता है और उन्हें रूखा बना देता है, जिससे बाल टूटने लगते हैं। इसलिए हमेशा अपने सिर को धोने के लिए गुनगुने पानी का इस्तेमाल करें। इसके अलावा ठंडे पानी से अंतिम धोने से बालों में चमक आती है और वे स्वस्थ दिखते हैं। इस तरह आप अपने बालों को स्वस्थ रख सकते हैं और उनकी चमक बरकरार रह सकती है।

गर्म पानी से सिर धोना भी एक बड़ी गलती है। गर्म पानी बालों की नमी को छीन लेता है और उन्हें रूखा बना देता है, जिससे बाल टूटने लगते हैं। इसलिए हमेशा अपने सिर को धोने के लिए गुनगुने पानी का इस्तेमाल करें। इसके अलावा ठंडे पानी से अंतिम धोने से बालों में चमक आती है और वे स्वस्थ दिखते हैं। इस तरह आप अपने बालों को स्वस्थ रख सकते हैं और उनकी चमक बरकरार रह सकती है।

सौरव गांगुली बिग बॉस बांग्ला सीजन 3 की करेंगे मेजबानी

पूरे 10 साल के इंतजार के बाद बंगाली दर्शकों के लिए फिर से रियलिटी शो बिग बॉस लौटने जा रहा है। निर्माताओं ने बिग बॉस बांग्ला सीजन 3 की आधिकारिक घोषणा कर दी गई है, जिसने दर्शकों में जबरदस्त उत्साह का संचार किया है। यह घोषणा न केवल इस शो के प्रशंसकों के लिए एक बड़ी खबर है, बल्कि यह बंगाली टेलीविजन उद्योग में मनोरंजन के एक नए युग का भी संकेत देती है। शो का मंचन एक बड़े पैमाने पर किया जा रहा है, और इसके हर पहलू पर बारीकी से काम किया जा रहा है ताकि दर्शकों को एक अद्वितीय अनुभव प्रदान किया जा सके। इस सीजन की सबसे बड़ी और आकर्षक खासियत यह है कि शो को बंगाल के सबसे लोकप्रिय चेहरों में से एक और पूर्व भारतीय क्रिकेट कप्तान सौरव गांगुली होस्ट करते नजर आएंगे। निर्माताओं द्वारा जारी किए गए एक विशेष वीडियो में सौरव गांगुली की झलक दिखाई गई है, जिसने फैंस की उत्सुकता को और भी बढ़ा दिया है। दादा के नाम से मशहूर सौरव गांगुली का टेलीविजन पर आना हमेशा से दर्शकों के लिए रोमांचक रहा है, और उनकी होस्टिंग दर्शकों को शो से बांधे रखने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगी। घोषणा करते हुए मेकर्स ने लिखा, भारत के सबसे बड़े मनोरंजन का मंच अब बंगाल में आ रहा है। मनोरंजन का बॉस – बिग बॉस बांग्ला जल्द आ रहा है।" यह टैगलाइन अपने आप में शो की भव्यता और मनोरंजन के स्तर को दर्शाती है। बिग बॉस बांग्ला सीजन 3 को एंडेमोल शाइन इंडिया लेकर आ रहा है, जो बनिजय एंटरटेनमेंट का एक अभिन्न हिस्सा है। यह कंपनी लंबे समय से भारतीय दर्शकों के लिए अंतरराष्ट्रीय स्तर पर सफल फॉर्मेट्स को स्थानीय रूप में पेश करती रही है और कई सुपरहिट शोज़ बना चुकी है। एंडेमोल शाइन इंडिया और बनिजय एशिया ने पिछले कुछ वर्षों में कई चर्चित वेब सीरीज़ और शोज़ दर्शकों को दिए हैं। इनमें द नाइट मैनेजर, द ट्रायल, होस्टेजेस और कॉल माय एजेंटः बॉलीवुड जैसी सीरीज़ शामिल हैं, जिन्होंने अपनी गुणवत्ता और सामग्री से दर्शकों को प्रभावित किया है। वहीं, नॉन-स्क्रिप्टेड कंटेंट में द कपिल शर्मा शो, एमटीवी रोडीज़, इनटू द वाइल्ड विद बेयर ग्रिल्स और टेम्पटेशन आइलैंड इंडिया जैसे लोकप्रिय शो भी कंपनी के पोर्टफोलियो का हिस्सा हैं, जो इनकी बहुमुखी प्रतिभा और मनोरंजन जगत में मजबूत पकड़ को दर्शाते हैं। बिग बॉस भारत के सबसे सफल रियलिटी फ्रेंचाइज़ी ब्रांड्स में गिना जाता है।

SET Foundation Launches CSR-Supported Skill Training Centers in Durgapur

DB Reporter

Durgapur, West Bengal: In a significant initiative aimed at empowering women and promoting self-reliance, SET Foundation on Wednesday inaugurated two free skill development training centers in the Benachity area of Durgapur. The tailoring and beauty parlour training centers have been established with support from the Corporate Social Responsibility (CSR) fund of Air Water India Private Limited, Durgapur.

The centers were jointly inaugurated by Air Water India Plant Head Avik Ghanta, Associate Manager Ranjit Kumar Singh, Electrical Engineer Soumitra Rej, and SET Foundation Directors CS Rohit Prakash Preet and Shashi Bhushan.

Following the inauguration, company officials were felicitated with green plants and handcrafted bags as a token of appreciation. Addressing the participants, Plant Head Avik Ghanta encouraged the trainees to make full use of the free training program, attend classes regularly, complete the course successfully, and obtain their certificates. He stated that the initiative would help women become self-reliant and improve their employment opportunities.

More than 100 women enrolled in the training programs attended the event, along with local residents and coordinators Arpana Ghosh, Pinky Bagchi, and Rahul Kumar. The participants expressed great enthusiasm about the opportunity to acquire new skills.

Officials of SET Foundation stated that the organization is committed to empowering women economically through skill development and livelihood-oriented training. They added that similar initiatives would continue in the future to support community development and women's empowerment.

Standard helmets & seat belts could have saved thousands of lives on roads in 2024

New Delhi, Agency: :Standard helmets and seatbelts could have saved thousands of lives in 2024. Over 40% of the 81,780 two-wheeler riders killed in road crashes could have survived had they worn good-quality helmets, while seat belts could have prevented about half of the 21,988 deaths among car occupants.

The number of fatalities have been released by the road transport ministry. As per a UN Motorcycle Helmet Study, motorcyclists are 26 times more likely to die in road crashes than drivers of cars and wearing an appropriate helmet "improves their chances of survival by 42% and helps avoid 69% of injuries to riders." Similarly, as per World Health Organisation, seat-belts are approximately 50% effective in preventing fatalities in crashes in which motorists would otherwise die.

The road transport ministry's report, which is based on data provided by state police departments, shows Tamil Nadu recorded a maximum of 7,744 deaths due to non-wearing of helmets, followed by Maharashtra (5,946) and Madhya Pradesh (5,543). In case of fatalities attributed to non-wearing of seatbelts, Uttar Pradesh reported the maximum 2,816 deaths, followed by Madhya Pradesh (1,929) and Maharashtra (1,427).

While trauma care experts agreed that proper wearing of standard helmets and seatbelts have potential of preventing a large share of road fatalities going by global experience, so far there has been no India specific study. "The are multiple reasons for crashes. There have been several instances of limb loss because of rash driving by two-wheeler drivers. We can get the exact cause of crashes and fatalities when every hospital has a trauma registry. The work has started after a recent Supreme Court order," said a senior trauma care surgeon at JPNA Trauma Center in Delhi.

Road safety expert Rohit Baluja said that unfortunately, crash data in India remains "largely descriptive rather than diagnostic". He added, "Most crashes continue to be attributed to driver error or weather conditions, while critical contributory factors relating to road design, traffic engineering deficiencies, vehicle factors, enforcement practices, and post-crash response are seldom scientifically investigated or recorded."

Hair Dye under Regulator's Lens; Firms asked to prove safety compliance

New Delhi, Agency: Millions of Indians use hair colour products every month to cover grey hair or change their appearance. Now, the country's drug regulator wants manufacturers and importers to demonstrate that the products they sell comply with safety standards and carry adequate warnings for consumers.

In a circular issued on June 10, the Central Drugs Standard Control Organisation (CDSCO) directed companies dealing in hair colour cosmetics to ensure compliance with the Cosmetics Rules, 2020, and applicable Bureau of Indian Standards (BIS) norms governing ingredients, safety restrictions and labelling.

The move comes amid heightened regulatory attention on cosmetic products and places the spotlight on ingredients used in hair dyes, some of which are subject to restrictions because of their potential to trigger allergic reactions or other adverse effects in sensitive users. CDSCO said hair colour products must comply with standards that specify which colouring ingredients can be used, which substances are restricted, and what warnings, directions and safety information must be displayed on labels.

Ex-RCom execs Doshi & Seth arrested by ED in ADAG case

New Delhi, Agency: ED Friday arrested Gautam Doshi and Satish Seth, former top executives in Reliance Telecom and close associates of Anil Ambani, in its ongoing money laundering probe against Ambani's Reliance group entities. Doshi and Seth were arrested in Mumbai. While Doshi was brought to Delhi to be presented before a special PMLA court; Seth, after arrest, was hospitalised at JJ Hospital in Mumbai.

"Doctors who are treating the accused were not allowing ED to physically produce him before court. Hence, ED moved application seeking permission to produce him on video conference," it said. Later, a Mumbai court sent Seth to ED custody for two days with transit remand to be produced before a Delhi court on June 14.

ED's case against Ambani and his group entities and associates is handled by a special investigation team constituted at the agency's headquarters here. The duo, along with Amitabh Jhunjhunwala, who is in judicial custody, comprised the core leadership team of Ambani.

ICMR, Gates Foundation launch Rs 1-Crore challenge to fight anaemia

New Delhi, Agency: With anaemia continuing to affect nearly one in two adolescent girls and women despite long-running supplementation programmes, the Indian Council of Medical Research (ICMR) and the Gates Foundation have launched a Rs. 1-crore Grand Challenge to develop attractive, iron-rich food products that women would be willing to consume every day.

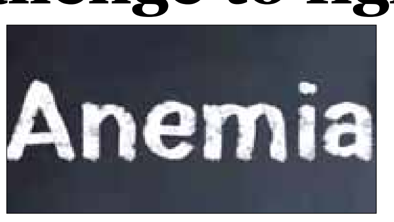

The initiative seeks proposals to develop affordable, nutrient-dense foods for adolescent girls and women of reproductive age, shifting the focus from conventional supplementation towards products that are more appealing, convenient and aligned with consumer preferences. The programme is open to researchers, startups, food companies and non-profit organisations, with grants of up to Rs. 1 crore available for prototype development over one year.

According to the document, anaemia affects around 50% of adolescent girls and women of reproductive age in India. Despite years of iron-folic acid supplementation programmes, the burden remains high because of poor adherence, concerns over side effects, social stigma around medicines, supply-chain challenges and low awareness.

Recognising that food choices are often driven by taste, convenience and social norms, the challenge calls for development of products that are "aspirational" rather than medicinal. Suggested formats include fortified snacks, bars, chikkis, savoury bites, beverages, gummies, chewables and other convenient food products capable of delivering iron while fitting naturally into daily consumption habits. The programme seeks products capable of delivering about 4-5 mg of iron per serving while ensuring affordability, consumer acceptability and scalability across diverse Indian settings. Developers have also been encouraged to use regionally relevant ingredients and flavours and incorporate strategies that improve iron absorption.

Operation Sindoor DGMO Lt Gen Ghai named Military Adviser to NSCS

New Delhi, Agency: This is the first time a serving military officer has been appointed Military Adviser to the NSCS, which is headed by National Security Adviser Ajit Doval. Previous holders of the post were all retired officers.

Lt Gen Ghai, whose military tenure runs until December 2027, is expected to assume charge shortly. His appointment to the NSCS was made earlier this week. Lt Gen Ghai does not have the seniority or the mandatory residual service required for appointment as an Army Commander. He previously commanded the 15 Corps before serving as DGMO and later as Deputy Chief of the Army Staff. Commissioned into the Kumaon Regiment, he has commanded an infantry battalion in the western sector, an independent brigade in the Central sector and a division in Arunachal Pradesh.

In the past, another serving officer, Lt Gen MU Nair, was appointed National Cyber Security Coordinator in the NSCS. However, Lt Gen Ghai will be the first serving officer to hold the post of Military Adviser. Before him, the position was held by Gen NS Raja Subramani, who is now the Chief of Defence Staff (CDS).

'Order floor test': Ritabrata Banerjee claims support of 64 TMC MLAs, submits list to Speaker

New Delhi, Agency: West Bengal leader of opposition Ritabrata Banerjee on Friday claimed the support of 64 of the Trinamool Congress's 80 MLAs in the state assembly, amounting to more than two-thirds of the party's legislative strength. He said the names had been submitted to the Speaker and asserted that his majority would be proven if a floor test were held.

"Just as the rebel MPs submitted their list to the Lok Sabha Speaker in Parliament, the rebel TMC MLAs also submitted their list to the assembly Speaker. The number of MLAs with us currently stands at 64. If the Speaker feels it is necessary, he can order a floor test. We will prove our strength in how many MLAs are with us," PTI quoted Ritabrata Banerjee saying. "Whether the number increases or not, we will know by Monday or Tuesday," he added. Addressing the reports regarding 20 Lok Sabha MPs rebelling against TMC, he said, "I will not be surprised if more than 20 MPs are found to be associated with the rebellion. A Member of Parliament has a right to raise questions. But we were told that questions would come from a particular place or a research team. I did not submit a single question during my last Rajya Sabha session because I objected to that system".

Speaking on Kalyan Banerjee's remarks targeting the party leadership, Ritabrata said the veteran parliamentarian had merely voiced concerns long raised by the dissident camp. "What he said individually is something we have been saying collectively for a long time," he said.

The twin rebellions have triggered TMC's most serious organisational crisis since its inception in 1998, with the party dismissing the dissidents' claims as politically motivated while the rebels continue to assert their numerical strength in the assembly and Parliament.

Govt notifies order to cap bulk fuel buys during crunch

New Delhi, Agency: Amid a growing shift by industrial and commercial consumers to retail fuel stations to take advantage of lower prices, govt has empowered itself to temporarily restrict bulk purchases of petrol and diesel from pumps during periods of supply stress to prevent shortages, hoarding and diversion of supplies meant for ordinary consumers.

The petroleum ministry has notified the Motor Spirit and High Speed Diesel (Temporary Regulation of Supply through Retail Outlets) Order, 2026, creating a legal framework under which restrictions can be imposed on fuel procurement through retail outlets whenever deemed necessary in public interest.

Institutional, industrial and commercial consumers can be directed not to procure petrol or diesel from retail outlets and instead source their requirements through authorised bulk channels.

'Escalated by giving it a platform': Comedian Pranit More apologises for Rs 370 biryani post, begs for 'chance to become better person'

New Delhi, Agency: Stand-up comedian Pranit More has issued a public apology following the controversy over the viral 'Rs 370 biryani' remark made during one of his comedy shows, saying he made a 'serious mistake' by allowing derogatory comments to be made on stage and failing to intervene.

In a video posted on Instagram, More acknowledged the criticism he has faced since the clip went viral and admitted that he should have stopped the remarks at the time.

"You may have seen the video for which I have been receiving a lot of criticism, and I believe I deserve it. Several derogatory remarks were made in that video. At the time, everyone around was laughing, and I got carried away. It was a lapse in judgement on my part, and I believe it was a serious mistake," he said.

More admitted that he could have stopped the conversation or taken a stand during the show.

"I could have stopped it there or taken a stand, but I failed to do so. By giving it a platform, I contributed to the situation escalating the way it did," he said.

The comedian apologised to those who were offended by the incident and said he was cooperating with authorities in connection with the case.

"I want to sincerely apologise to everyone who was hurt because of this. I am also cooperating with the authorities in relation to any legal proceedings against me," More said.

Seeking another chance from his audience, he added, "I would just like to request one thing from all of you - please give me one chance. I will prove that I can become a better person.